रजिस्ट्री सं. डी एल—33001/96 REGISTERED No. DL—33001/96

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 9, 1996 (फाल्गुन 19, 1917)
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 9, 1996 (PHALGUNA 19, 1917)

CENTRAL SECRETARIAT LIBRARY

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालयों द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	275
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	195
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और सांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	1
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	287
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खण्ड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिसमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उप-विधियां आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे मामलों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	195
भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	189
भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अन्य द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	---
भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं।	2949
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	47
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को वर्णन वाला अनुपूरक	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए ।

CONTENTS

	PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	275
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	195
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence . .	1
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	287
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)— Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).	*
PART II—SECTION 3—SUB SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) .	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India .	195
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	189
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2949
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies .	47
PART IV—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Follos not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1996

सं. 14-प्रेज/96—राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्ति को उत्कृष्ट वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील कुमार राजदान (आई सी-36909) पैरा
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 08 अक्तूबर 1994)

8 अक्तूबर, 1994 को प्रातः 6 बजे 6 राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन के स्थानापन्न कमान अफसर लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील कुमार राजदान अपनी दो कम्पनियों सहित जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के दमहाल हुजपुर क्षेत्र में खोजी एवं मुठभेड़ मिशन पर गए थे। अपराह्न 5 बजे जब वे लौट रहे थे तो उन्हें सूचना मिली कि नंदमर्ग गांव के एक मकान में कुछ हथियार/गोलाबारूद छिपे होने की संभावना है।

लगभग पांच घंटे चलने के बाद ये और इनका दल संदिग्ध मकान पर पहुंचे और उसकी घेराबंदी कर दी। लेफ्टिनेंट कर्नल राजदान मकान में मौजूद लोगों से पूछताछ करने के लिए जैसे ही अंदर घुसे उन पर सभी दिशाओं से गोलीबारी शुरू हो गई। लेफ्टिनेंट कर्नल राजदान को जवाबी गोलीबारी का समय नहीं मिला और इसलिए ये उग्रवादियों से भिड़ गए और हाथापाई शुरू कर दी। जैसे ही ये एक उग्रवादी का हथियार छीनने की कोशिश करने लगे उग्रवादी ने लेफ्टिनेंट कर्नल राजदान के हाथ और पेट पर गोली मारकर इन्हें घायल कर दिया। अपने घावों की परवाह न करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल राजदान उग्रवादी का हथियार छीनने में सफल हो गए और उसे मार गिराया। इन्होंने एक अन्य उग्रवादी का भी काम तमाम कर दिया जो कि इन पर गोलीबारी कर रहा था। हालांकि ये गंभीर रूप से घायल हो गए थे फिर भी इन्होंने वहां से हटने से मना कर दिया और संक्रिया का पूरी रात तब तक संचालन करते रहे जब तक कि अंतिम उग्रवादी को वहां से हटा नहीं दिया गया। इनके अदम्य उत्साह और साहस से प्रेरणा पाकर इनके साथी वीरता की भावना से भर गए जिसके परिणामस्वरूप हिजबुल मुजाहिद्दीन के नौ दुर्दान्त पाकिस्तान प्रशिक्षित उग्रवादी मारे गए और उनसे एक यूनिवर्सल मशीनगन, पांच ए के 47/56 राइफलें तथा बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और अन्य सैन्य साज सामान बरामद हुआ।

इस प्रकार लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील कुमार राजदान ने दृढ़ संकल्प, कर्तव्यपरायणता असाधारण शौर्य और उच्चकोटि की वीरता का परिचय दिया।

गिरीश प्रधान
निदेशक

सं. 15-प्रेज/96—राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्तियों को उत्कृष्ट वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "वीर चक्र" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. कैप्टन सुनील खोखर (मरणोपरांत)
   (एस एस-34916),
   आर्टिलरी
   (पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 7 मई, 1994)

20 फरवरी, 1994 को 268 मीडियम रेजिमेंट के कैप्टन सुनील खोखर ने जम्मू-कश्मीर में 19856 फुट की ऊंचाई पर स्थित पहलवान प्रेक्षण चौकी पर तैनात किए जाने और 45 दिन की निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी वहां पर तैनात रहने के लिए इच्छा व्यक्त की।

सामरिक महत्व की इस चौकी को हथियाने के लिए शत्रु ने सुनियोजित योजना बनाकर 05 मई, 1994 को प्रात: टोही कार्रवाई की जिसके परिणामस्वरूप दोनों ओर से भीषण गोलीबारी हुई। शत्रु के प्रयासों को नाकाम करने के बाद गश्त लगाकर रात को लगभग 9 बजे शत्रु के शिविर-स्थल का पता लगा लिया गया और उसे तोप से उड़ाने की योजना बनाई गई। 07 मई, 1994 को कैप्टन सुनील खोखर को शत्रु के शिविर पर गोलीबारी करने के लिए बनाए गए दूसरे गश्ती दल में तैनात किया गया था। गश्त पर जाने से पहले ही उस वीर अफसर ने दुश्मन के गुप्त लक्ष्यों का पता लगाना शुरू कर दिया। अपना कार्य करते समय वे शत्रु द्वारा लघु शस्त्रों से की जा रही गोलीबारी में घिर गए। उस वीर अफसर ने उत्कृष्ट साहस का परिचय देकर और अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए शत्रु के गुप्त लक्ष्यों का तब तक पता लगाना जारी रखा जब तक कि शत्रु की गोली से उस पराक्रमी अफसर का असामयिक निधन नहीं हो गया।

इस प्रकार कैप्टन सुनील खोखर ने इस कार्य को पूरा करने में अटूट साहस, व्यवसायिक सूझ-बूझ, समर्पण-भावना, परिपक्वता और असाधारण कर्तव्यपरायणता का परिचय देकर अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान किया ।

2. कैप्टन सुनीत बर्नी
(आई सी-51358),
सिख लाइट इन्फैंट्री (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 8 अप्रैल 1995)

8 अप्रैल, 1995 को सुबह लगभग 7 बजकर 40 मिनट पर दुश्मन की मीरपुर और अपर संजोई चौकियों से नियंत्रण रेखा में लगभग 150 मीटर की दूरी पर स्थित हमारी "हम्प" चौकी पर भीषण गोलीबारी शुरू की गई । कैप्टन सुनीत बर्नी अत्यधिक संवेदनशील "हम्प" चौकी के कमांडर थे ।

जिस समय गोलीबारी चल रही थी कुछ उग्रवादी पश्चिम की ओर से रेंगकर इस चौकी के निकट आ गए और राकेट दागने लगे तथा लघु शस्त्रों से गोलीबारी करने लगे । मीरपुर शिखर पर स्थित दुश्मन की चौकी पर मीडियम मशीनगन से गोलीबारी कर रहे सुनीत बर्नी ने अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए अकेले ही अपनी मशीनगन को उस ओर मोड़ दिया जिधर से वे दुश्मन की चौकियों से की जा रही भारी गोलीबारी के बावजूद उग्रवादियों द्वारा किए जा रहे राकेटों के प्रहार को कारगर रूप से नाकाम कर सकते थे । उग्रवादियों द्वारा दागा गया एक राकेट कैप्टन बर्नी के निकट आकर गिरा और उसकी किरच उनकी बाईं जांघ में आ लगी । गंभीर रूप से घायल हो जाने के बावजूद कैप्टन बर्नी ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाए जाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और उन्होंने उग्रवादियों को गोलीबारी करके तब तक उलझाए रखा जब तक कि उनकी गोलीबारी पर काबू नहीं पा लिया गया और अंततः जब तक कि वे रात लगभग 10 बजे भाग नहीं गए । गंभीर रूप से घायल होने के कारण 9 अप्रैल 1995 को रास्ते में ही रात एक बजकर तीस मिनट पर उनकी मृत्यु हो गई ।

इस प्रकार कैप्टन सुनीत बर्नी ने उत्कृष्ट वीरता और आत्म-बलिदान की भावना का परिचय दिया ।

3. 14701380 हवलदार जोसफ अनल चांग,
2 सिख

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 6 जून, 1995)

हवलदार जोसफ अनल चांग ने नियंत्रण रेखा पर दुश्मन के विरुद्ध कार्रवाइयों में प्रशंसनीय कार्य कर दिखाए हैं । ये एक उत्कृष्ट निशानेबाज हैं और विशेष रूप से 84 मि. मी. आर एल में उत्कृष्ट निशाना लगाते हैं ।

अगस्त 1994 में यूनिट "घातक" दल के हिस्से के रूप में इन्होंने नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी प्रहार संक्रिया के लिए स्वयं को प्रस्तुत किया था और आर एल डिटैचमेंट नं. 1 के कमांडर के रूप में इन्होंने दुश्मन का बंकर सं. 1 पूरी तरह से नष्ट कर दिया था । यह इनका पहला प्रशंसनीय कार्य था जो इन्होंने दुश्मन की 50 मीटर की मौजूदगी में किया था । पुनः 23 मार्च, 1995 को नियंत्रण-रेखा पर हुई गोलीबारी के दौरान इन्होंने अपने आर एल सं. 2 के बाएं सीने में किरच से चोट लग जाने के बावजूद खुले स्थान पर अस्थाई मोर्चे से दुश्मन से प्रभावी रूप से जूझने और उसे शान्त कर देने में सक्रिय भूमिका निभाई । साथ ही, 28 मई, 1995 को जब इनके गश्ती दल को दुश्मन ने उलझा दिया था तो इन्होंने स्वयं लाइट मशीनगन और 2" मोर्टार से गश्ती दल की सुरक्षा के लिए गोलीबारी करके उसे उस स्थिति से मुक्त करा दिया । 6 जून, 1995 को नियंत्रण रेखा पर हुई गोलीबारी में इन्होंने अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए 84 मि.मी. आर एल दागकर दुश्मन के फ्रंट एरिया बंकर को नष्ट कर दिया ।

इस प्रकार, हवलदार जोसफ अनल चांग ने दुश्मन का मुकाबला करने में अदम्य साहस, अटूट आत्मविश्वास, कर्तव्य के प्रति समर्पण भावना, धैर्य और पहलशक्ति का परिचय दिया ।

गिरीश प्रधान
निदेशक

सं. 16-प्रेज/96—राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्तियों को उत्कृष्ट वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. 2478430 लांस नायक साधु सिंह, (मरणोपरान्त)
15 पंजाब रेजिमेंट
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 10-7-94)

10 जुलाई, 1994 को जम्मू और कश्मीर में "पोटस" और उसके निकटवर्ती जंगलों के सामान्य क्षेत्र में घेराबंदी और खोजी संक्रिया शुरू की गई थी । 15 पंजाब के सेक्शन कमांडर लांस नायक साधु सिंह ने एक जगह अपना ठिकाना बनाया और दो सशस्त्र उग्रवादियों को वहां देखा । उग्रवादियों ने उनकी टुकड़ी पर गोलीबारी शुरू कर दी फिर भी, उन्होंने स्वचालित हथियारों से की जा रही गोलीबारी के बावजूद उनका पीछा किया ।

लांस नायक साधु सिंह भारी साहस का परिचय देते हुए उस उग्रवादी की ओर बढ़े जो न केवल स्वचालित हथियारों से गोलीबारी कर रहा था बल्कि जिसने हथगोले भी फेंकने शुरू कर दिए थे । वह उग्रवादी घने जंगल तथा बड़े-बड़े पत्थरों की आड़ में छिपने के लिए भाग गया । लांस नायक साधु सिंह ने उस क्षेत्र की निकटता से घेराबंदी की जहां वह उग्रवादी छिपा रहकर गोलीबारी कर रहा था । उन्होंने उस उग्रवादी पर कई हथगोले फेंके । उस दुर्दान्त उग्रवादी को मिटा देने के लिए पूरी तरह से दृढ़संकल्प लांस नायक साधु सिंह ने धावा बोल दिया और उसे मार गिराया । बाद में, पहचान करने पर वह उग्रवादी रफियाबाद के हिजबुल मुजाहिद्दीन का बटालियन प्रशासक निकला । इस उग्र मुठभेड़ में उस गैर कमीशन अफसर ने अपने जीवन का

सर्वोच्च बलिदान किया । इस संक्रिया के परिणामस्वरूप 2 ए के 56 राइफलें, ए के 56 की दस मैगजीन और 5 हथगोलों सहित अन्य गोलाबारूद बरामद किया जा सका ।

इस प्रकार लांस नायक साधु सिंह ने अदम्य साहस और उच्चतम कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान किया ।

2. 13691458 नायक इब्राहिम खान,
9 पैरा
(मरणोपरान्त)
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 14 अगस्त, 1994)

14 अगस्त, 1994 को 9 पैरा कमांडो के एक दल ने अमरनाथ यात्रा में व्यवधान डालने के उद्देश्य से हरकत-उल-अंसार द्वारा भेजे गए किराए के विदेशी उग्रवादियों के एक आत्मघाती दस्ते को खोजकर उसे खत्म करने के लिए कार्रवाई शुरू की। नायक इब्राहिम खान उस दल के सदस्य थे जिसे जम्मू-कश्मीर में 3000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित कोन्नूर के सामान्य क्षेत्र में यह कार्य सौंपा गया था ।

यह दल प्रातः 7 बजकर 10 मिनट पर उपर्युक्त सामान्य क्षेत्र में पहुंच गया और उसने बंकर की तरह बनाए गए "गुज्जर बहक" में छिपे हुए उग्रवादियों को चारों ओर से घेर लिया । राकेट लांचरों से बार-बार प्रहार करने पर भी बंकर नष्ट नहीं किया जा सका और खाई में सुरक्षित मोर्चा लिए हुए उग्रवादियों ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी । सायं 6 बजे नायक इब्राहिम खान स्वेच्छा से "बहक" में जाने के लिए तैयार हो गए । उस वीर सिपाही ने अदम्य साहस के साथ भारी गोलीबारी की परवाह न करते हुए 35 मीटर चौड़े रास्ते से "बहक" की ओर धावा बोल दिया । कई गोलियां लगने के बावजूद उस बहादुर कमांडो ने "बहक" के निकट पहुंचने तक निरन्तर हमला जारी रखा । नायक इब्राहिम खान अपने दो कमांडो साथियों के साथ छलांग लगाकर "बहक" में घुस गए और उन उग्रवादियों के साथ आमने-सामने की भीषण लड़ाई की जो उस दृढ़-निश्चयी कमांडो की बराबरी नहीं कर सकते थे इसलिए उग्रवादियों को उसकी सर्वोच्च कीमत चुकानी पड़ी । गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद नायक इब्राहिम खान ने अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान करने से पूर्व शेष बचे हुए सभी उग्रवादियों को मार गिराया ।

इस प्रकार नायक इब्राहिम खान ने असाधारण वीरता, दृढ़ निश्चय और आत्म बलिदान की भावना का परिचय दिया ।

3. जेसी-185475 सूबेदार अवतार सिंह,
15 पंजाब रेजिमेंट,
(मरणोपरान्त) ।
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 28 अगस्त, 1994)

28 अगस्त, 1994 को जम्मू-कश्मीर के शिरापुरा और बोहिल्याण गांवों में घेराबंदी और खोजी संक्रिया की गई थी ।

सूबेदार अवतार सिंह एक संदिग्ध मकान की घेराबंदी और खोज करने वाले दल का नेतृत्व कर रहे थे । जिस समय खोजकार्य चल रहा था उग्रवादियों ने जिस मकान में वे छिपे हुए थे उसकी बाहरी दीवार में नली जैसी ईंट निकाल दी और वहां से गोलीबारी शुरू कर दी जिससे एक कांस्टेबल सिपाही रेशम सिंह घातक रूप से घायल हो गए । तत्पश्चात उस मकान से दो उग्रवादी घेराबंदी करने वाले दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए बाहर की ओर भागे । सूबेदार अवतार सिंह ने भारी साहस का परिचय देते हुए उग्रवादियों पर निकट से प्रभावी गोलीबारी शुरू कर दी । इस गोलीबारी में वे गंभीर रूप से घायल हो गए ।

अत्यधिक घायल होने के बावजूद सूबेदार अवतार सिंह अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए अदम्य साहसपूर्वक दोनों उग्रवादियों पर गोलीबारी करते रहे और उनका काम तमाम कर दिया । बाद में पता चला कि वे भाड़े के अफगान उग्रवादी और हिजबुल मुजाहिदीन के बटालियन कमांडर थे । इस संक्रिया के परिणामस्वरूप गोलाबारूद सहित 2 ए के 56 राइफलें और 3 ग्रेनेड बरामद हुए । दुर्भाग्य से सूबेदार अवतार सिंह की घावों के कारण उसी दिन मृत्यु हो गई ।

इस प्रकार, सूबेदार अवतार सिंह ने भारी प्रतिकूल परिस्थितियों में अदम्य साहस का परिचय देते हुए सर्वोच्च बलिदान किया ।

4. 2974070 हवलदार हनुमान प्रसाद सिंह, 27 राजपूत रेजिमेंट

(मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 4 अक्तूबर, 1994)

4 अक्तूबर, 1994 को मिली विशेष सूचना के आधार पर 27 राजपूत रेजिमेंट ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के एच ई एल (एस टी-19) में स्थित एक गांव में खोज कार्य किया ।

अपराह्न लगभग 3.30 बजे छप्परदार और लकड़ी से बने मकान के अंदर फंसे दो उग्रवादी खिड़की से बाहर की ओर कूदे और मकान के दक्षिण-पश्चिम की ओर बह रहे नाले की तरफ भागे । खोजी दल ने भागते हुए उग्रवादियों पर गोलियां चलाईं किन्तु घने झाड़ियों के कारण उन पर अचूक निशाना नहीं लग सका ।

भागते हुए उग्रवादियों में से एक ने अचानक पीछे की ओर घूमते हुए एक हथगोला फेंका और रुक कर पीछा कर रहे खोजी दल पर लम्बी दूरी तक मार करने वाला विस्फोटक बाण दिया । उग्रवादियों की गोलीबारी से हवलदार हनुमान प्रसाद सिंह की छाती में घाव हो गया । गम्भीर रूप से घायल और लहूलुहान होने के बावजूद हवलदार सिंह ने अपने घाव और व्यक्तिगत सुरक्षा की रत्तीभर भी परवाह किए बिना दोनों खूंखार आतंकवादियों का पीछा कर उन्हें मार गिराया जिससे उनके दल के अन्य साथी हताहत होने से बच गए । बाद में मृत उग्रवादियों में से एक की हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के पलटन कमांडर के रूप में शिनाख्त की गई । परन्तु हवलदार हनुमान प्रसाद सिंह को सुरक्षित स्थान पहुंचाए जाने से पूर्व घायल हो जाने के कारण उनकी हेलीपैड पर ही मृत्यु हो गई ।

इस प्रकार हवलदार हनुमान प्रसाद सिंह ने असाधारण वीरता, उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता और परम देशभक्ति का परिचय दिया ।

5. 4462677 लांस नायक जोगीन्दर सिंह,
सिख लाइट इन्फेंट्री,
(मरणोपरान्त) ।
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 24 अक्तूबर, 1994)

24 अक्तूबर, 1994 को राष्ट्रीय राइफल्स की दूसरी बटालियन द्वारा एक खोजी एवं मुठभेड़ अभियान की योजना बनाई गई थी । इस अभियान के लिए चार्ली कम्पनी ने सिविल ट्रकों का उपयोग किया ।

जैसे ही यह कम्पनी जम्मू तथा कश्मीर स्थित अनन्तनाग जिले के लिवार गांव से 500 मीटर की दूरी पर पहुंची उन पर गांव के दक्षिण-पश्चिम की ओर के ऊंचे स्थान से बहुत ही नजदीक से गोली-बारी शुरू कर दी गई। इस कम्पनी के जवानों ने तत्काल जवाबी गोली-बारी की । लांस नायक जोगीन्दर सिंह ट्रक से बाहर कूदे और गोली-बारी कर रहे उग्रवादी पर धावा बोल दिया । अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए वे गोलीबारी करते रहे और एक आड़ से दूसरी आड़ तक रेंगकर आगे बढ़ते हुए गोली-बारी कर रहे उग्रवादियों के निकट पहुंच गए ।

जैसे ही वे नजदीक पहुंचे उनकी गरदन पर एक गोली आ लगी गोली से हुए घाव की परवाह न करते हुए लांस नायक जोगीन्दर सिंह आगे बढ़ते हुए उग्रवादियों पर गोली बरसाते रहे। 15-20 मिनट तक जारी रही गोली-बारी में लांस नायक जोगीन्दर सिंह ने बुरी तरह जख्मी होने के बावजूद अदम्य साहस का परिचय देते हुए हिज़बुल मुजाहिद्दीन के दो दुर्दान्त पाक-प्रशिक्षित उग्रवादियों को मार गिराया । गरदन में गोली लगने के बावजूद वे तब तक लगातार उग्रवादियों से जूझते रहे जब तक कि घावों से अत्यधिक खून बह जाने के कारण वीरगति को प्राप्त नहीं हो गए। इस संक्रिया के पश्चात् एक ए.के-47 राइफल, 3 मैगजीन और भारी मात्रा में गोलाबारूद बरामद हुआ ।

इस प्रकार लांस नायक जोगीन्दर सिंह ने उग्रवादियों का मुकाबला करने में अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया और सर्वोच्च बलिदान किया ।

6. कैप्टन संजय चौहान (आई सी-50921),
16 राजपूताना राइफल,
(मरणोपरान्त) ।
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 29 अक्तूबर, 1994)

28 अक्तूबर, 1994 को 16 राजपूताना राइफल के क्वार्टर मास्टर कैप्टन संजय चौहान को सूचना मिली कि जम्मू-कश्मीर स्थित कुपवाड़ा जिले के लछमपुरा गांव में प्रतिदिन लगभग 5-6 आतंकवादी आते हैं। कैप्टन चौहान योजना बनाकर अपने दल के साथ उस गांव की ओर चल पड़े ।

लछमपुरा गांव में 29 अक्तूबर, 1994 को पूर्वाह्न 11 बजे उन्होंने 5-6 आतंकवादियों को पहाड़ी के ऊपर चढ़ते देखा । उस अफसर ने अपनी मूल योजना को बदला और भागते आतंकवादियों को रोकने के लिए दौड़े । पहाड़ी की ओर के मार्ग पर इस दल पर आतंकवादियों द्वारा स्वचालित हथियारों से गोलाबारी की गई जिसमें हल्की मशीन गन युक्त कार्मिक घातक रूप से घायल हो गया । उस अफसर ने तत्काल हल्की मशीन गन स्वयं संभाल ली और आतंकवादियों को उलझाते हुए उनमें से एक को तत्काल मार गिराया । यह देखकर जंगल में छिपे आतंकवादियों ने इकट्ठे होकर इस दल को घेर लिया और स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी शुरू कर दी । कैप्टन संजय चौहान ने यह भांपकर कि आतंकवादी संख्या में काफी अधिक हैं और उन्होंने चारों ओर से घेराबंदी भी कर ली है तो उन्होंने अपने जूनियर कमीशन अफसर दल और 11 अन्य रैंकों को पहाड़ी की ओर लगभग 700 मीटर पीछे जाने का आदेश दिया और स्वयं उनकी सुरक्षा में गोलीबारी करते रहे । वे और उनके दल ने आतंकवादियों को तब तक उलझाए रखा जब तक कि उनका गोलाबारूद समाप्त नहीं हो गया । उन्होंने और उनके साथियों ने दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए आतंकवादियों पर धावा बोल दिया और आमने-सामने की भारी लड़ाई शुरू कर दी । कैप्टन संजय चौहान आतंकवादियों द्वारा की गई गोलियों की बौछार की गिरफ्त में आ गए परन्तु इससे पूर्व उन्होंने भाड़े के विदेशी उग्रवादी अबू मोसा और जिले के लांचि कमांडर रूना को मार गिराया । बाद में घावों के कारण उनकी मृत्यु हो गई ।

इस प्रकार कैप्टन संजय चौहान ने अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए असाधारण वीरता तथा अनुकरणीय एवं अदम्य साहस का परिचय दिया ।

7. श्री अजय कुमार सिंह,
रांची बिहार,
(मरणोपरान्त) ।
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 01 दिसम्बर, 1994)

01 दिसम्बर, 1994 को लगभग 3.20 बजे शस्त्रों से लैस दो डकैत रांची बिहार में यूनियन बैंक आफ इंडिया की श्यामली कालोनी शाखा में घुस आए और बंदूक दिखाकर तिजौरी की चाबी और नकदी की मांग करने लगे । उन्होंने उक्त शाखा के कर्मचारियों को धमकी दी कि यदि वे उनके आदेशों का पालन नहीं करेंगे तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे । तत्पश्चात् डकैतों ने कर्मचारियों से कहा कि वे एक कमरे में चले जाएं। दोनों में से एक डकैत ने लेखाकार और रोकड़िया से सुदृढ़ कोष-कक्ष (स्ट्रांग रूम) का दरवाजा और तिजोरी खोलने के लिए मजबूर कर रोकड़िया से सुदृढ़ कोष-कक्ष से समूची धनराशि एक गत्ते के डिब्बे में रखने के लिए कहा। दूसरा डकैत टेलीफोन की तार काटने के बाद जैसे ही सुरक्षा अलार्म की तार काटने लगा तो वह बजने लगा। खतरे को भांपकर डकैत मोटर साइकिल पर भागने का प्रयास करने लगे । इस बीच वहां के कर्मचारियों ने जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए शोर मचाना शुरू कर दिया ।

अलार्म सुनकर बैंक के निकटवर्ती मैदान में खेल रहे लगभग 18-20 वर्ष के दो लड़के दौड़ते हुए आए तो उन्होंने देखा कि लुटेरे मोटर साइकिल पर लूटी हुई धनराशि लेकर भाग रहे हैं । उन दोनों में से एक लड़के यानी श्री अजय कुमार सिंह ने

मोटर साइकिल का पीछा कर उसकी पिछली सीट पर बैठे हुए लुटेरे को खींचकर गिराने की कोशिश की । पिछली सीट पर बैठे हुए लुटेरे ने डर पैदा करने के लिए श्री अजय सिंह की तरफ दो-तीन राउण्ड गोलियां चलाईं । इसके बावजूद श्री सिंह ने उन लुटेरों का पीछा करते रहे पर इस बीच लुटेरे ने श्री अजय कुमार सिंह पर गोली चलाकर उसे गंभीर रूप में घायल कर दिया। श्री अजय कुमार सिंह के साथ हुई भिड़न्त में नोटों के कुछ पैकेट गत्ते के डिब्बे से गिर गए । बाद में 80,000/- रुपए की यह राशि बैंक को भेज दी गई । इस भिड़न्त में गंभीर रूप से घायल हुए श्री अजय कुमार सिंह को मकान अस्पताल में पहुंचाया गया परन्तु दुर्भाग्यवश गंभीर रूप से घायल होने के कारण उसी दिन शाम को उनकी मृत्यु हो गई ।

इस प्रकार श्री अजय कुमार सिंह ने लुटेरों को पकड़वाने में अनुकरणीय साहस और उच्च नागरिक भावना का परिचय देकर अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान किया ।

8. 2683817 लांस नायक राज मल मीणा, 22 ग्रेनेडियर्स
(मरणोपरान्त) ।
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 31-12-94)

दिनांक 31 दिसम्बर, 1994 को 22 ग्रेनेडियर्स ने जम्मू तथा कश्मीर के पुलवामा जिले के चांदगाम गांव में विद्रोहियों के मौजूद होने की सूचना मिलने पर घेराबंदी और खोजी कार्रवाई की ।

सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर डेल्टा कम्पनी कमांडर के दल ने दो मंजिले एक मकान विशेष का घेराव किया । लांस नायक राज मल मीणा जोकि मकान में घुसने वाले पहले जवान थे, सीढ़ियों द्वारा पहली मंजिल से दूसरी मंजिल पर पहुंचे । जैसे ही वे दूसरी मंजिल पर मौजूद उग्रवादियों को दिखाई पड़े उग्रवादियों ने उन पर गोली चला दी जिससे लांस नायक राज मल मीणा बाएं कंधे पर गोलियां लगने से घायल हो गए । यद्यपि वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे फिर भी वे अपने पीछे सीढ़ियों पर ऊपर आते साथियों को खतरे में देख उग्रवादियों के निकट तेजी से आगे बढ़े और अपनी स्वचालित राइफल से दो दुर्दान्त सशस्त्र उग्रवादियों को मौत के घाट उतार दिया । इस गोली-बारी में उनकी गर्दन पर भी घाव हो गया । तीसरा उग्रवादी जो कि साथ वाले कमरे में घुसने में सफल हो गया था बाद में खोजी दल द्वारा मारा गया । लांस नायक राज मल मीणा वहां से सुरक्षित स्थान पर ले जाए जाते समय अपने घावों के कारण वीरगति को प्राप्त हो गए । इस मुठभेड़ के परिणामस्वरूप 3 ए के 56 राइफलें, 7 मैगजीनें और भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद हुआ ।

इस प्रकार लांस नायक राज मल मीणा ने जिम्मेदारी-पूर्वक कर्त्तव्यपरायणता और अनुकरणीय साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का बलिदान किया ।

9. जी एम-158407-उस्मान
ड्राइवर यांत्रिक उपस्कर,
केवल कृष्ण मेहता,
सीमा सड़क विकास मंडल,
(मरणोपरान्त) ।
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 21 जनवरी 1995)

21 जनवरी, 1995 को परियोजना सेवक की 161 फार्मेशन कटिंग प्लाटून के ड्राइवर यांत्रिक उपस्कर केवल कृष्ण मेहता को बोका-दोकाजन मार्ग पर 62.1 कि. मी. पर डोजर से चट्टान काटकर सड़क चौड़ी करने के काम पर लगाया गया था। अचानक पहाड़ी के मुहाने से छोटे-छोटे कंकड़ गिरने लगे । इस बीच डोजर चला रहे हवलदार प्रभाकर राव ने आसन्न खतरे से अवगत कराने के लिए सीटी बजाई । केवल कृष्ण मेहता आसानी से अपना डोजर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जा सकते थे । अपने जीवन के आसन्न खतरे के बावजूद उन्होंने डोजर नहीं छोड़ा अपितु उसे चतुराई से सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कोशिश करने लगे । खतरनाक क्षेत्र को पार करने से पहले उन पर 5-6 विशाल शिलाखण्ड गिर गए । उन शिलाखण्डों को हटाने के पश्चात् उनका शव आपरेटर की सीट में आमनावस्था में मिला । गर्दन और शरीर का दाहिना हिस्सा कुचले जाने से उनकी तत्काल मृत्यु हो गई । पर डोजर सुरक्षित मिला जिसका दोबारा उपयोग किया गया ।

इस प्रकार ड्राइवर यांत्रिक उपस्कर केवल कृष्ण मेहता ने जान की बाजी लगाकर बहुमूल्य सरकारी सम्पत्ति बचाने का प्रयास करते हुए वीरता, धैर्य और कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

10. 13610845 हवलदार चतरू राम,
7 जाट रेजिमेंट,
(मरणोपरान्त) ।
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 11 फरवरी, 1995)

11 फरवरी, 1995 को जाट रेजिमेंट की 7वीं बटालियन ने जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले के बड़ी एथरी गांव में घेराबंदी और खोज-कार्य किया ।

हवलदार चतरू राम मेजर रोहन आनंद के दल में थे । एक मकान में पहुंचते ही खोजी दल, आतंकवादियों द्वारा कई दिशाओं से की जा रही भीषण और प्रभावी गोलीबारी की चपेट में आ गया जिससे हवलदार चतरू राम की पीठ और बाएं कन्धे पर चोटें आईं । उसी समय उन्होंने अपने कम्पनी कमांडर मेजर रोहन आनंद को उस घर की ओर तेजी से जाते हुए देखा जहां से गोलीबारी की जा रही थी । उन्होंने जबाबी गोलीबारी करके अपने कम्पनी कमांडर का बचाव किया । इस कार्रवाई में उनके कम्पनी कमांडर के सुरक्षित बच जाने के बाद वे और अधिक खतरा भांपकर उस मकान के बिल्कुल नजदीक चले गए जिसके परिणामस्वरूप वे और घायल हो गए किन्तु उस दुर्दान्त आतंकवादी को मार गिराने में सफल हो गए जो मकान से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था । बाद की इस गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल होने तथा जान का खतरा होने के बावजूद हवलदार चतरू राम ने इस मुठभेड़ में वीरगति प्राप्त करने से पूर्व एक और

दुर्दान्त आतंकवादी का सफाया कर दिया । इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप 3 ए के-56 राइफलें, 6 मैगजीन तथा भारी मात्रा में गोलाबारूद बरामद हुआ ।

इस प्रकार हवलदार चमन लाल ने वीरोचित साहस, आत्म-बलिदान की भावना और राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा का परिचय दिया ।

11. जे सी-518045 नायब सूबेदार प्रकाश लाल,
15 डोगरा रेजिमेंट ।
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 14 फरवरी, 1995)

14 फरवरी, 1995 को 15 डोगरा के नायब सूबेदार प्रकाश लाल जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा से सरकुली की ओर जाते हुए काफिले के सुरक्षा दल कमांडर थे ।

सरकुली से लौटते हुए नायब सूबेदार प्रकाश लाल सबसे पीछे चल रहे वाहन में थे । खुम्रीग्याल के निकट पहुंचने पर उग्रवादियों के समूह ने कामफ्लाउज विस्फोट उपकरण का उपयोग करते हुए रिमोट कन्ट्रोल की सहायता से आखरी वाहन को उड़ा दिया । इस विस्फोट का प्रभाव इतना शक्तिशाली था कि वाहन के टुकड़े-टुकड़े हो गए और इस वाहन में बैठे सभी पांच कार्मिक मारे गए और नायब सूबेदार प्रकाश लाल के सारे शरीर और चेहरे पर बहुत सी चोटें आ गईं । उनकी एक आंख की रोशनी चली गई तथा दूसरी आंख की रोशनी भी कम हो गई । उग्रवादियों ने भारी मात्रा में गोलीबारी शुरू कर दी । गंभीर घावों के बावजूद ये विनष्ट वाहन से कठिनाईपूर्वक रेंगते हुए बाहर निकले इन्होंने अपना हथियार ढूंढा और अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए जवाबी गोलीबारी करके उग्रवादियों को प्रभावी रूप से उलझाए रखा, यद्यपि घावों के कारण ये कुछ भी देख पाने में असमर्थ हो गए थे । अपनी साहसिक कार्रवाई से ये सहायक सैन्य टुकड़ी आने तक उग्रवादियों से जूझते रहे । जब सहायक सैन्य टुकड़ियां वहां पहुंची तब भी नायब सूबेदार प्रकाश लाल उग्रवादियों के विरुद्ध मोर्चे पर डटे हुए थे । गंभीर घायल अवस्था में होने पर उन्हें वहां से तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया ।

इस प्रकार नायब सूबेदार प्रकाश लाल ने गंभीर चोटों के बावजूद साहस एवं वीरता का परिचय दिया ।

12. 2671799 लांस हवलदार रणपाल सिंह
3 ग्रेनेडियर्स ।
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 23 फरवरी, 1995)

3 ग्रेनेडियर्स के लांस हवलदार रणपाल सिंह 23 फरवरी, 1995 को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के बनजार गांव में एक घाती दल का नेतृत्व कर रहे थे ।

इन्होंने सुबह 10 बजकर 20 मिनट पर तीन आतंकवादियों को अपनी ओर आते देखा । लांस हवलदार रणपाल सिंह ने उन्हें आत्मसमर्पण के लिए ललकारा । परन्तु ऐसा करने के बजाय उन आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी शुरू कर दी और सामरिक व्यूह-रचना का लाभ उठाने के लिए पास के एक मकान के अन्दर मोर्चा लेने का प्रयास किया । लांस हवलदार रणपाल सिंह ने तुरन्त अपने मोर्चे से निकलकर भागते हुए आतंकवादियों का पीछा किया ताकि वे उस मकान तक न पहुंच सकें । इस कार्रवाई में एक अन्य झोंपड़ी में छिपे हुए आतंकवादियों के दूसरे दल ने पीछे से उन पर ए के राइफल से गोली दाग दी जिससे उनका कन्धा और पीठ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए । गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद इस वीर सिपाही ने उन तीन आतंकवादियों पर धावा बोल दिया जो तब तक उस निर्जन मकान में घुस चुके थे । इन्होंने ठोकर मारकर खिड़की खोली और उन आतंकवादियों को निष्क्रिय करने के लिए मकान के अंदर छलांग लगाई । अन्दर भीषण गोलीबारी हुई और उस निर्जन मकान के अंदर अचानक ही पूर्णतः शांति छा गई । इनके कम्पनी कमांडर मेजर जोध सिंह जैसे ही मोर्चे को सुदृढ़ बनाने के लिए इनकी ओर आए तो इन्होंने देखा कि लांस हवलदार रणपाल सिंह खून से सने हुए, एक आतंकवादी के ऊपर पड़े हुए हैं जबकि दो अन्य मृत आतंकवादी उनके अगल-बगल में पड़े हुए थे ।

इस प्रकार लांस हवलदार रणपाल सिंह ने अत्यंत विकट परिस्थितियों के बावजूद अटल निश्चय, प्रबल इच्छाशक्ति और असाधारण साहस का परिचय दिया ।

13. कैप्टन राकेश शर्मा (आई सी-48774),
मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री, 11 राष्ट्रीय राइफल
(मरणोपरान्त) ।
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 4 मार्च, 1995)

11 राष्ट्रीय राइफल के कैप्टन राकेश शर्मा जम्मू-कश्मीर स्थित डोडा जिले के भदरवाह क्षेत्र में "स्नो मैन" संक्रिया के अंतर्गत एक सैन्य टुकड़ी का नेतृत्व कर रहे थे ।

4 मार्च, 1995 को सामान्य क्षेत्र कोंदेरू में उग्रवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में कैप्टन राकेश शर्मा के नेतृत्व में संक्रियारत टुकड़ी ने एक दुर्दांत उग्रवादी अहमद शाह मसूद को मार गिराया । उनकी इस टुकड़ी ने शेष भागते हुए आतंकवादियों का भी पीछा किया तो एक दोमंजिला मकान से उन पर भारी गोलीबारी की जाने लगी । कैप्टन राकेश शर्मा ने तुरंत एक फायर बेस स्थापित कर अवरोध खड़े कर दिए । उन्होंने उग्रवादियों का सफाया करने का प्रयास किया परंतु इस प्रक्रिया में कैप्टन राकेश शर्मा के बाएं कंधे में गोली लगने से वे जख्मी हो गए । जब उन्हें वहां से सुरक्षित स्थान पर ले जाए जाने के लिए कहा गया तो उन्होंने मना कर दिया और उस मकान पर गोलियों की बौछार कर दी जिससे उग्रवादी दुबके-दुबके रह गए । आमने-सामने की इस मुठभेड़ में इस अफसर ने ऐसी जगह मोर्चा ले रखा था जिससे उग्रवादियों द्वारा की जा रही गोलीबारी से उनके दल की रक्षा तो हुई परंतु वे उन्हें निकट से फायर सहायता उपलब्ध नहीं करा सके । अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए उन्होंने उग्रवादियों के गन मोर्चे पर भारी गोलीबारी करके एक अफगान भाड़े के उग्रवादी को वहीं ढेर कर दिया । इससे पूर्व कि वे शेष उग्रवादियों को गोलीबारी करने से रोककर उन पर काबू पा लेते अगले कमरे से

उन पर ए के-56 की एक गोली आ लगी । कैप्टन राकेश ने अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी चिंता न करते हुए उस मकान पर गोलियों की बौछार शुरू कर दी और एक अन्य भाड़े के विदेशी उग्रवादी का काम तमाम कर दिया । दुर्भाग्यवश उनकी गर्दन में नाभि और एक बालक गोली आ लगी और बाद में घावों के कारण अपराह्न 4 बजे उनकी मृत्यु हो गई । इस मुठभेड़ के परिणामस्वरूप तीन उग्रवादी मारे गए और उनसे तीन ए के-56 राइफलें और चार मैगजीनें बरामद की गईं ।

इस प्रकार, कैप्टन राकेश शर्मा ने अपने जीवन का बलिदान कर उच्चकोटि की कर्तव्यनिष्ठा और अनुकरणीय साहस का परिचय दिया ।

14. 4184438 सिपाही भगवान सिंह, कुमाऊं रेजिमेंट
(मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 31 मार्च, 1995)

31 मार्च, 1995 को श्रीनगर की कंगन तहसील के गंगाबाग गांव में सक्रियाशील सैन्य दल उग्रवादी टोलियों से भारी मात्रा में स्वचालित हथियारों से की गई अचूक गोलीबारी से घिर गया जिससे इस दल का आगे बढ़ना रुक गया ।

13 राष्ट्रीय राइफल्स के सिपाही भगवान सिंह इस प्रतिक्रिया दल के सदस्य थे । ध्यानपूर्वक देखने पर उन्होंने पाया कि दो आतंकवादी उनसे 20 मीटर की दूरी से एक बड़े पत्थर के पीछे से गोलियां चला रहे थे । सिपाही भगवान सिंह ने अपने आगे बढ़ने की प्रक्रिया के दौरान अपने "बडी" से सुरक्षा में गोली चलाने को कहा और बाईं ओर से आगे बढ़कर भाला खोलते हुए उस आतंकवादी को पूरी तरह से हैरानी में डाल दिया जिसने अंधाधुंध गोलीबारी करके उनकी बाईं जांघ और घुटना जख्मी कर दिया था । घायल होने के बावजूद सिपाही भगवान सिंह ने आतंकवादी को मार गिराया । उसी समय तलाशी कर रहे एक अन्य आतंकवादी ने सिपाही भगवान सिंह पर अत्याधिक निकटता से गोली दागकर उनके पेट, आंख और बाईं हाथ को घायल कर दिया । गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद सिपाही भगवान सिंह भारी साहस का परिचय देते हुए रेंगकर दस मीटर तक आगे बढ़े और वीरगति प्राप्त होने से पूर्व एक हथगोला फेंककर दूसरे आतंकवादी का काम तमाम कर दिया ।

इस प्रकार सिपाही भगवान सिंह ने आतंकवादी का मुकाबला करने में असाधारण साहस और कर्तव्यपरायणता का परिचय देते हुए सर्वोच्च बलिदान किया ।

15. जे सी–177912 सूबेदार प्रेम चन्द शर्मा, 26 पंजाब रेजिमेन्ट
(मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 03 अप्रैल, 1995)

3 अप्रैल, 1995 को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के उल्टरा गांव में एक आतंकवादी को गिरफ्तार करने के लिए एक घेराबंदी और खोजी अभियान चलाया गया ।

गिरफ्तार आतंकवादी उस मकान को दिखाने के लिए सहमत हो गया जिसमें तीन और आतंकवादी छिपे हुए थे । अपराह्न 2 बजकर 30 मिनट पर सूबेदार प्रेम चंद शर्मा अपने दल के साथ उस मकान की ओर जा ही रहे थे कि वे इसी बीच साथ वाले मकान में घुसे तीन आतंकवादियों द्वारा की जा रही भारी गोलाबारी की चपेट में आ गए ।

अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह किए बिना सूबेदार शर्मा ने अनुकरणीय नेतृत्व का परिचय देते हुए आगे बढ़ती हुई सैन्य टुकड़ी को सुरक्षा प्रदान कर उनकी जान बचाई किंतु इस कार्रवाई में उनके पेट के निचले हिस्से में गोली आ लगी । यह भांपते हुए कि आतंकवादी भाग सकते हैं, गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद सूबेदार शर्मा ने असीम वीरता का परिचय देते हुए उस मकान पर धावा बोल दिया और हथियारों से पूरी तरह लैस तीन दुर्दान्त आतंकवादियों तथा जमायत-उल-मुजाहिदीन के प्रमुख को मार गिराया । इस कार्रवाई के बाद वे बेहोश हो गए जिन्हें तुरन्त प्राथमिक चिकित्सा दी गई पर बाद में बेस अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उनकी मृत्यु हो गई ।

इस प्रकार सूबेदार प्रेमचन्द शर्मा ने दृढ़ निश्चय, अनुकरणीय नेतृत्व और आत्म-बलिदान की भावना का परिचय दिया ।

16. कैप्टन हरदीप सिंह (आई सी–50927), से. मे., 2 जम्मू-कश्मीर राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 13 अप्रैल, 1995)

13 अप्रैल, 1995 को 2 जम्मू-कश्मीर राइफल के कैप्टन हरदीप सिंह जम्मू-कश्मीर की तराल घाटी के पहाड़ी सीमान्त क्षेत्र में एक गश्ती दल का नेतृत्व कर रहे थे ।

पूर्वाह्न लगभग साढ़े ग्यारह बजे जिस समय गश्ती दल नरस्थान गांव के उत्तर की चढ़ाई चढ़ रहा था, उन पर ऊपर की ओर से तीन आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी । कैप्टन हरदीप सिंह ने तेजी से स्थिति को भांपते हुए गश्ती दल को इस प्रकार तैनात किया कि उग्रवादियों के निकल भागने के मार्ग बन्द कर दिए । इन्होंने अपने पश्चिम में सक्रियारत 23 पंजाब की एक कम्पनी को भी ऐसा ही करने की सूचना दे दी । जिन आतंकवादियों ने बड़े पत्थरों के पीछे मोर्चा ले रखा था उन्होंने भारी मात्रा में गोलीबारी शुरू कर दी । इससे तनिक भी विचलित हुए बिना कैप्टन हरदीप सिंह ने अपने कार्मिकों को एकत्र किया और आगे चल पड़े । दो आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी जिससे गश्ती दल का आगे बढ़ना रुक गया । यह देखकर कैप्टन हरदीप सिंह अपने रेडियो आपरेटर के साथ आतंकवादियों से 50 मीटर के क्षेत्र में बाज से होते हुए रेंगकर आगे बढ़े । आतंकवादियों ने उन्हें ऐसा करते देख लिया और उन पर गोली चला दी । कैप्टन हरदीप सिंह के सीने में गोली आ लगी । अपने गंभीर घाव की परवाह न करते हुए इस अफसर ने अप्रतिम साहस एवं वीरता का परिचय देते हुए दोनों आतंकवादियों को मार गिराया । बाद में कैप्टन हरदीप सिंह द्वारा बुलाई गई 23 पंजाब की कम्पनी ने कार्रवाई करके तीसरे आतंकवादी का भी काम तमाम कर दिया ।

इस प्रकार, कैप्टन हरदीप सिंह ने असाधारण नेतृत्व एवं वीरता और उच्चकोटि की संघर्ष भावना का परिचय दिया ।

17. कैप्टन जितेन्द्र कुमार (आई सी–51532),
3 ग्रेनेडियर्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 29 अप्रैल, 1955)

कैप्टन जितेन्द्र कुमार जम्मू-कश्मीर के गांव राजा राम दी लड़ी में 3 ग्रेनेडियर्स की "बी" कम्पनी की कमान कर रहे थे ।

29 अप्रैल, 1995 को सुबह 9 बजकर 50 मिनट पर यह सूचना मिलने पर कि राजा राम दी लड़ी गांव में कम दिखाई पड़ने की स्थिति होने के कारण 10 उग्रवादियों से हुई मुठभेड़ में केवल दो उग्रवादी ही मारे जा सके हैं, इस अफसर ने गहन सामरिक विवेक का परिचय देते हुए राजा राम दी लड़ी में छापामार दल के कमांडर को आदेश दिया कि वे गोलीबारी करके शेष उग्रवादियों को उलझाए रखें ताकि उग्रवादियों को नरकी बैल्क छापामार स्थल की ओर धकेला जा सके । ये तत्काल नरकी बैल्क की ओर चल पड़े और नरकी बैल्क छापामार दल के कमांडर को आदेश दिया कि उन उग्रवादियों को गोलीबारी में उलझाए रखें जिन्हें कि उनके छापामार स्थल की ओर जाने पर विवश किया गया है । इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप तीन और उग्रवादी मारे गए। शेष पांच उग्रवादियों ने जब स्वयं को फंसा हुआ पाया तो गोलीबारी की हद से बाहर निकलने के लिए वे नाले के साथ-साथ ऊपर की ओर भागने लगे । कैप्टन जितेन्द्र कुमार उग्रवादियों से छिपकर उन्हें धोखे में रखते हुए अपने पांच अन्य रैंकों के साथ उनसे भी अधिक तेजी से आगे बढ़े और ऊपर की ओर जाकर उग्रवादियों पर गोलियों की बौछार करके धावा बोल दिया और उन पांचों को मार गिराया । बाद में उनकी पहचान भाड़े के अफगान उग्रवादियों के रूप में की गई ।

इस प्रकार, कैप्टन जितेन्द्र कुमार ने अदम्य साहस, दृढ़संकल्प और उच्चकोटि के नेतृत्व के गुणों का परिचय दिया ।

18. जी एस-159668-डब्ल्यू डिलर वामनन के. सीमा सड़क विकास मण्डल

(मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 6 मई, 1995)

परियोजना बीकन की 118 सड़क निर्माण कम्पनी के डिलर वामनन के जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद से ग्रस्त डोडा जिले में गलहर-संसारी सड़क पर कार्यरत थे । गलहर-संसारी सड़क का 46 से 54 कि. मी. तक का क्षेत्र बहुत ही खतरनाक है जहां चेतावनी दिए बिना चट्टानें गिरती रहती हैं । इस क्षेत्र में चट्टानों के गिरते रहने से सीमा सड़क संगठन के कई सैनिक और दिहाड़ी मजदूरों ने अपनी जान गंवाई है । तथापि, डिलर वामनन के. ने अगस्त 1994 में इस क्षेत्र में पहुंचने के बाद से खुशी से वहां पर डिलिंग कार्य की चुनौती स्वीकार की । नवम्बर, 1994 में वे मार्ग में लुढ़कते हुए शिलाखण्ड की चपेट में आने से अपने जैक हैमर समेत घाटी में गिर गए जिससे उन्हें मामूली चोटें लग गईं । इसके बावजूद वे स्वेच्छा से इस क्षेत्र में कार्य करते रहे और उन्होंने यह कार्य दृढ़ निश्चयपूर्वक और अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह किए बिना पूरा किया ।

06 मई, 1995 को डिलर वामनन के. अपने दल के 5 दिहाड़ी मजदूरों के साथ 47.9 कि. मी. पर डिलिंग कार्य कर रहे थे । लगभग 15.50 बजे सतर्क रहने की चेतावनी सुनाई पड़ने पर डिलर वामनन ने अपने दल पर एक विशाल शिलाखण्ड गिरते देखा। समय बहुत कम था इसलिए उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए उन्हें आगे बढ़ाना शुरू कर दिया क्योंकि वे व्याकुल एवं भयभीत थे । वे तीन मजदूरों को ही सुरक्षित स्थान की ओर बढ़ा पाए थे कि इतने में गिर रहे एक शिलाखण्ड ने उन्हें और उनके दो साथियों को कुचल डाला जिससे उन तीनों की वहीं पर मृत्यु हो गई ।

इस प्रकार डिलर वामनन के. ने असाधारण वीरता, निःस्वार्थ सेवा, दृढ़ निश्चय का परिचय देकर अपने साथियों की जान बचाने में अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान किया ।

19. विंग कमांडर अजीत सिंह स्नेच, वा. मै. (13812)
(उड़ान पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 15 जून, 1995)

विंग कमांडर अजीत सिंह को 2 मई, 1994 को एक हैलीकाप्टर के कमान अफसर के रूप में सैनात किया गया था ।

15 जून, 1995 को विंग कमांडर अजीत सिंह को मशीमपुर से तीन हताहतों को हैलीकाप्टर से लाने का काम सौंपा गया था । इन हताहतों में से एक सेना के मेजर थे जिनकी रीढ़ की हड्डी में गोली लग गई थी और शरीर का निचला भाग निष्क्रिय हो गया था । इन्हें तत्काल तंत्रिका शल्य चिकित्सक द्वारा चिकित्सा देने की आवश्यकता थी । विंग कमांडर अजीत सिंह ने जब दोपहर बाद साढ़े चार बजे बेस से उड़ान भरी तो उस समय मौसम सामान्य था । मशीमपुर हैलिपेड पर उतरने के बाद इन्हें बताया गया कि रोगियों के बचने की संभावना कम है, इन्होंने पर्याप्त समय तक बाद भरी जाएगी । यह देखते हुए कि सड़क मार्ग से जाने पर रोगियों के बचने की संभावना कम है, इन्होंने पर्याप्त समय तक प्रतीक्षा करने का निर्णय लिया, यद्यपि अंधेरा छा गया था और मौसम खराब हो गया था । जब रोगी शाम के समय लगभग पौने आठ बजे वहां पहुंचे तो वहां का सम्पूर्ण क्षेत्र भारी आंधी-तूफान की गिरफ्त में आ चुका था और अधिक देरी करने से रोगियों की मौत लगभग निश्चित दिखाई दे रही थी, अतः विंग कमांडर अजीत सिंह ने गहरे अंधेरे में डूबी हैलिपेड से उड़ान भरी । अत्यन्त प्रतिकूल और कष्टकर परिस्थितियों में इन्होंने रात नौ बजकर बीस मिनट पर खुम्बीराम में अपना हैलिकाप्टर सुरक्षित रूप से उतार दिया और हताहतों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का कार्य पूरा किया ।

इस प्रकार, विंग कमांडर अजीत सिंह स्नेच ने अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए साहस, दृढ़ संकल्प और समर्पण भावना का परिचय दिया ।

20. विंग कमांडर हरजिन्दर पाल सिंह नत. वा. से. (14281 के) उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 12 सितम्बर, 1995)

विंग कमांडर हरजिन्दर पाल सिंह 10 मई, 1993 से वायु सेना की 30 विंग में स्थित एम आई-17 हेलिकाप्टर यूनिट की कमान कर रहे हैं ।

सितम्बर के दौरान हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश व्यापक रूप से विनाशकारी बाढ़ की चपेट में आ गए । बाढ़पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए हेलिकाप्टरों का इस्तेमाल किया गया । 12 सितम्बर, 1995 को कुल्लू के उत्तरी भाग में भारी भूस्खलन हुआ जिससे तेज बहली नदी में बहुत से सिविलियन फंस गए । यह सूचना पाकर विंग कमांडर नत चीता हेलिकाप्टर डिटेचमेंट के कमांडिंग अफसर विंग कमांडर मान के साथ चीता हेलिकाप्टर में घटना-स्थल पर पहुंचे । आस-पास बिजली और टेलिफोन के तार होने से बचाव कार्य में बाधा आई। ऐसी परिस्थिति में विंग कमांडर नत एक बड़ी चट्टान पर उतर गए और दरवाजे हटाने के लिए हेलिकाप्टर कुल्लू लौट गया ताकि बचाव-कार्य सुविधाजनक ढंग से किया जा सके ।

जैसे ही हेलिकाप्टर वापस आया विंग कमांडर नत ने बचाव-कार्य करना शुरू कर दिया और हेलिकाप्टर की स्किडों पर खड़े होकर तेज बहती व्यास नदी से दो जीवित व्यक्तियों को बाहर निकाला । यह कार्य करते हुए विंग कमांडर नत ने इस वीरतापूर्ण कार्य के लिए योजना बनाई और उसे मूर्त रूप देने में असाधारण सूझबूझ का परिचय दिया । बचाव-कार्य के दौरान हर समय खतरनाक स्थिति होने पर भी ये हजारों फंसे हुए लोगों, जिन्होंने बचाव कार्य के दौरान और उसके बाद इन्हें शाबाशी दी, की जिंदगी में लटके रहे । वैयक्तिक उपलब्धियों के अलावा, इनके द्वारा किया गया बचाव-कार्य वायुसेना की उच्च परम्पराओं के अनुरूप है जो "आसमान से आया फरिश्ता" युक्ति को सिद्ध करता है ।

इस प्रकार, विंग कमांडर हरजिन्दर पाल सिंह नत ने अपनी सुरक्षा की रंचमात्र भी परवाह किए बिना साहस, दृढ़ निश्चय और समर्पण-भावना का परिचय दिया ।

21. विंग कमांडर रविन्द्र सिंह मान (15434) उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 12 सितम्बर, 1995)

विंग कमांडर रविन्द्र सिंह मान 17 जुलाई, 1995 से 131 एफ ए सी फ्लाइट में कमांडिंग अफसर के रूप में तैनात हैं ।

इन्हें 6 सितम्बर, 95 को बाढ़ से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त एस ए एस ई के बाढ़ में फंसे कार्मिकों के बचाव और राहत कार्य के लिए मनाली से तीन हेलिकाप्टरों की टुकड़ी का संचालन करने का कार्य सौंपा गया था । इन्होंने यह कार्य अपनी यूनिट के अन्य पायलटों के साथ व्यावसायिक कुशलता से किया । इस तैनाती के दौरान 12 सितम्बर को 1330 बजे विंग कमांडर मान को कुल्लू के उपायुक्त से यह सन्देश मिला कि कुल्लू की उत्तरी दिशा में 4 कि. मी. की दूरी पर भारी भू-स्खलन हुआ है इसलिए जान और माल की क्षति का आकलन करने के लिए हवाई सर्वेक्षण करने की आवश्यकता है । ये स्थिति की गम्भीरता भांपकर अपने चीता हेलिकाप्टर में विंग कमांडर नत को साथ लेकर घटनास्थल की ओर चल पड़े घटनास्थल पर पहुंचने पर इन्होंने देखा कि एक धंसी हुई जगह में भू-स्खलन हो गया जिससे नदी ने अपना रास्ता बदल दिया । उस जगह के चारों तरफ बिजली और टेलीफोन की आड़ी-तिरछी केबिलें लगाई गई थीं । हवाई सर्वेक्षण के दौरान इन्होंने देखा कि दो जीवित व्यक्ति नदी में डूबे हुए शिलाखण्डों को पकड़े हुए हैं। इन्होंने उन व्यक्तियों को बचाने के लिए तेज बहती नदी के बीच स्थित एक छोटे से टापू पर हेलिकाप्टर को उतारने का प्रयास किया परन्तु ये विशाल शिलाखण्डों, लम्बे वृक्षों और तारों के कारण उन्हें बचा नहीं सके । इन्होंने तत्परता से स्थिति भांपकर नदी में फंसे दो व्यक्तियों को खींचकर बाहर निकालने का एकमात्र निर्णय लिया परन्तु इसके लिए हेलिकाप्टर के दरवाजे हटाए जाने थे। विंग कमांडर मान, विंग कमांडर नत को टापू से जीवित व्यक्तियों की ओर ले गए । हेलिकाप्टर बड़ी सावधानी और व्यवस्थित ढंग से जीवित व्यक्तियों के समीप पहुंचकर धीरे-धीरे आगे बढ़ा और अपने स्किड को पानी में छुआते हुए नीचे आ गया । विंग कमांडर नत पायलट की सीट पकड़कर स्किड पर खड़े हो गए और तेज बहती नदी से जीवित व्यक्तियों को खींच कर हेलिकाप्टर में ले आए । यह सफलता तीसरी बार प्रयास करने पर मिली । दोबारा दूसरे जीवित व्यक्ति को भी खींचकर हेलिकाप्टर में ले आए ।

इस प्रकार विंग कमांडर रविन्द्र सिंह मान ने उच्च व्यावसायिक कुशलता एवं असाधारण कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

गिरीश प्रधान, निदेशक

सं. 17-प्रेज/96.—राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी परम असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "परम विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं

1. लेफ्टिनेंट जनरल सुरेश कुमार शर्मा (आई सी-11517), अ. वि. से. मे, कवचित कोर ।

2. लेफ्टिनेन्ट जनरल वेद प्रकाश मलिक, (आई सी-11537), अ. वि. से. मे. इफैन्ट्री ।

3. लेफ्टिनेंट जनरल विमल सिंघल (आई सी-10401), इंजीनियर्स ।

4. लेफ्टिनेंट जनरल नील रत्न खन्ना, (आई सी-10443), इंजीनियर्स ।

5. लेफ्टिनेंट जनरल कुलबीर सूरी, (आई सी-11009), बी एस एम, आर्टिलरी ।

6. लेफ्टिनेंट जनरल दीपक अजवानी, (आई सी-11023), वि. से. मे. इंजीनियर्स ।

7. लेफ्टिनेंट जनरल केविन लुइस डीसूजा (आई सी-11507), अ. वि. से. मे. ए. डी. सी. यंत्रीकृत इंफैंट्री ।

8. लेफ्टिनेंट जनरल पुरुषोत्तम दास भार्गव (आई सी-11577), अ. वि. से. मे. सिगनल्स ।

9. लेफ्टिनेंट जनरल प्राण कृष्ण पाहवा (आई सी-11628), हवाई रक्षा आर्टिलरी ।

10. लेफ्टिनेन्ट जनरल ओम प्रकाश कौशिक (आई सी-11689), अ. वि. से. मे, वि. से. मे. इंफैंट्री (सेवा निवृत्त) ।

11. लेफ्टिनेन्ट जनरल मोहिन्द्र वालिया (आई सी-11830), अ. वि. से. मे, से. मे. इंफैंट्री ।

12. लेफ्टिनेंट जनरल वेंकटेश माधव पाटिल (आई सी-11885), अ. वि. से. मे. आर्टिलरी ।

13. लेफ्टिनेंट जनरल अपूर्व कुमार सेनगुप्ता (आई सी-11942), अ. वि. से. मे. कवचित कोर ।

14. लेफ्टिनेन्ट जनरल कुलवन्त सिंह मान, (आई सी-12027), इंफैंट्री ।

15. लेफ्टिनेन्ट जनरल रवि इन्द्र सिंह कहलों (आई- सी-12048), उ. यु. से. मे, अ. वि. से. मे ग्रेनेडियर्स ।

16. लेफ्टिनेंट जनरल राम दास मोहन (आई सी-12584), अ. वि. से. मे. वि. से. मे. मद्रास ।

17. लेफ्टिनेंट जनरल नरेन्द्र कुमार कपूर (आई सी-11536), अ. वि. से. मे. इंफैंट्री ।

18. लेफ्टिनेंट जनरल अमरजीत सिंह परमार (आई सी-10063), आर्टिलरी ।

19. लेफ्टिनेंट जनरल हरबंश लाल गुलाटी (एम आर-01476), सेना चिकित्सा कोर (सेवानिवृत्त) ।

20. वाइस एडमिरल विष्णु भगवत, अ. वि. से. मे. 00387-बी ।

21. वाइस एडमिरल प्रेमवीर सरन दास, उ. यु. से. मे. वि. से. मे. 00393-टी ।

22. वाइस एडमिरल कैलाश कुमार कोहली, अ. वि. से. मे. 00407-जेड ।

23. एयर मार्शल मोहिन्दर कुमार आनन्द, वा. मे. (5498) प्रशासन (सेवानिवृत्त) ।

24. एयर मार्शल शारदकुमार रामकृष्णा देशपाण्डे, अ. वि. से. मे. (5694), उड़ान (पायलट) ।

25. एयर मार्शल दीनानाथ रामचन्द्र नाडकर्णी अ. वि. से. मे. वा. मे. (5587) उड़ान (पायलट) (सेवा-निवृत्त) ।

26. एयर मार्शल शिव नाथ राठौर, अ. वि. से. मे. वा. मे. (5580) उड़ान (नेवीगेटर) (सेवानिवृत्त) ।

27. एयर मार्शल मोखियान्दाथिनाथा उथाया, (5627) वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी) (सेवानिवृत्त) ।

28. एयर मार्शल जनक कपूर, वि. से. मे. (5585), उड़ान (पायलट) ।

गिरीश प्रधान, निदेशक

सं. 18-प्रेज/96—राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी अति असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "अति विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. लेफ्टिनेंट जनरल अमर नाथ सिन्हा, (आई सी-11870), इंजीनियर्स ।

2. मेजर जनरल गुरदीप सिंह, (आई सी-11513), से. मे. डोगरा रेजिमेंट ।

3. मेजर जनरल मलविन्दर सिंह शेरगिल, (आई सी-13152), वीरचक्र, कवचित कोर ।

4. मेजर जनरल आर. पी. रामाचन्द्र नायडू, (आई सी-13169), वि. से. मे. गोरखा राइफल्स ।

5. मेजर जनरल हर रणजीत सिंह कल्कट, (आई सी-13193), मराठा लाइट इंफैंट्री ।

6. मेजर जनरल अविनाश चन्द्र शर्मा, (आई सी-13260), वि. से. मे. सेना आयुध कोर ।

7. मेजर जनरल विजय लाल (आई सी-13306), सेना आयुध कोर ।

8. मेजर जनरल सोमायन्द्रा कालप्पा करियप्पा, (आई सी-13548), यु. से. मे. आर्टिलरी ।

9. मेजर जनरल पंकज शिवराम जोशी, (आई सी-13720), वि. से. मे. यंत्रीकृत इंफैंट्री ।

10. मेजर जनरल शिवाजी श्रीपति पाटिल, (आई सी-13799), उ. यु. से. मे. पैरा (सेवानिवृत्त) ।

11. मेजर जनरल रोस्तम कैखुशरू नानावती, (आई सी-13878), उ. यु. से. मे. गोरखा राइफल्स ।

12. मेजर जनरल सतीश चन्द्र चोपड़ा, (आई सी-13963), वि. से. मे. राजपूताना राइफल्स ।

13. मेजर जनरल विक्रम लक्ष्मण गुजीकर, (आई सी-14006), वि. से. मे. मराठा लाइट इंफैंट्री ।

14. मेजर जनरल जायसवाल रामानन्द, (एम आर-01515), सेना चिकित्सा कोर ।

15. मेजर जनरल खर्ब राम मेहर, (वी-168), रिमाउंट एवं पशु-चिकित्सा कोर ।

16. मेजर जनरल कमल नयन मिश्र, (आई सी-20306), जज एडवोकेट जनरल विभाग ।

17. मेजर जनरल सुरिन्दर पाल जैन, (आई सी-11898), इंफैंट्री (सेवा निवृत्त) ।

18. मेजर जनरल श्रीकान्त विठ्ठलराव श्रीखण्डे, (आई सी-12072), आर्टिलरी (सेवा निवृत्त) ।

19. मेजर जनरल नरेश विज, (आई सी-12365), वैद्युत एवं यांत्रिक इंजीनियरी (सेवा निवृत्त) ।

20. मेजर जनरल रमेश कुमार कौशल, (आई सी-12653), वि. से. मे., सेना आयुद्ध कोर (सेवा निवृत्त) ।

21. मेजर जनरल कृष्ण वल्लभ झल्लियाल, (आई सी-13450), वैद्युत एवं यांत्रिक इंजीनियरी (सेवा निवृत्त) ।

22. मेजर जनरल चेपुदिरा जे अप्पाचु, (आई सी-15388), सिगनल्स ।

23. ब्रिगेडियर रविन्दर नाथ कपूर, (आई सी-17291), 4 गोरखा राइफल्स ।

24. ब्रिगेडियर गगन कुमार वर्मा, (आई सी-21570), वि. से. मे. एम-इन-डी, राजपूताना राइफल्स ।

25. ब्रिगेडियर डेविड कार्लटन बोरगुना, (आई सी-21914), सिख लाइट इंफैंट्री ।

26. ब्रिगेडियर विजय नन्दन शाही, (एम आर-2562), वि. से. मे., सेना चिकित्सा कोर ।

27. ब्रिगेडियर शमशेर सिंह, (आई सी-13929), सिगनल्स (सेवा निवृत्त) ।

28. रियर एडमिरल सुभाष चन्द्र आनन्द, 00534-वाई ।

29. रियर एडमिरल प्रमोद चन्द्र भसीन, वि. से. मे. 50155-एन ।

30. रियर एडमिरल सतीश चन्द्रा सुरेश बंगारा, 00726-जेड ।

31. कमोडोर कृष्णा स्वामी रामचंद्रन श्रीनिवासन, 00744-आर ।

32. कमोडोर कन्नकाथिल पाल मैथ्यू, 00779-डब्ल्यू ।

33. कमोडोर राकेश बहादुर वर्मा, 40253-एच ।

34. कमोडोर नरहरि वासुदेवो जोशी, नो. मे, 00642-एच ।

35. एयर मार्शल कुलदीप राय, (6051) चिकित्सा ।

36. एयर मार्शल प्राण नाथ बजाज, (6392) । वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक) ।

37. एयर वाइस मार्शल विनोद पटनी, वीर चक्र (6125), उड़ान (पायलट) ।

38. एयर वाइस मार्शल श्रीनिवासापुरम कृष्णास्वामी, वा. मे. तथा बार (6338) उड़ान (पायलट) ।

39. एयर वाइस मार्शल जयन्त हरि भाऊ गजेन्द्र गडकर, (6602), प्रशासन ।

40. एयर कमोडोर राजपाल सिंह गरचा, वा. मे. (8413) उड़ान (पायलट) ।

41. एयर कमोडोर अनन्ता रामा कृष्णा कुमार पाण्डरगी, (8747), उड़ान (पायलट) ।

42. एयर कमोडोर सुनील कुमार मलिक, (9002), उड़ान (पायलट) ।

43. एयर कमोडोर गोपाला समुद्रम महादेवन विश्वनाथन, वा. मे. (9056) उड़ान (पायलट) ।

44. एयर कमोडोर निर्मल शूसू, वा. मे. (9033) उड़ान (पायलट) ।

45. एयर कमोडोर मधुकर कृष्णा मराठे, वि. से. मे. तथा बार (7328) वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिक्स) (सेवानिवृत्त) ।

46. ग्रुप कैप्टन परमजीत सिंह भंगू, वा. मे. (12932) उड़ान (पायलट) ।

गिरीश प्रधान
निदेशक

सं. 19-प्रेज/96—राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी उच्चकोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "विशिष्ट सेवा मंडल" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. मेजर जनरल विजय भारत बतरा, (आई सी-13531), आर्टिलरी ।

2. मेजर जनरल गुरलक्ष्य सिंह, (आई सी-12550), सिग्नल्स ।

3. मेजर जनरल लंजराडो आर्ज माइकल, (आई सी-13921), आर्टिलरी ।

4. मेजर जनरल ओंकार सिंह लोहचन्द, (आई सी-14531), बिहार ।

5. ब्रिगेडियर सुभाष चन्द्र मारवाह, (आई सी-16332), विद्युत एवं यांत्रिक

6. ब्रिगेडियर हरीश कुमार शर्मा, (आई सी-15859), आर्टिलरी ।

7. ब्रिगेडियर सोमेन्द्र देव महन्ती, (आई सी-16035), आर्टिलरी ।

8. ब्रिगेडियर अमरजीत सिंह बेदी, (आई सी-16233), कवचित कोर ।

9. ब्रिगेडियर राणा सुधीर कुमार कपूर, (आई सी-16782), इंजीनियर्स ।

10. ब्रिगेडियर वेनुगोपाल श्रीधर, (आई सी-16846), गार्ड्स (मरणोपरान्त) ।

11. ब्रिगेडियर अशोक कुमार सिंह, (आई सी-16887), राजपूत (मरणोपरान्त) ।

12. ब्रिगेडियर राजेन्द्र सिंह, (आई सी-16953), आर्टिलरी ।

13. ब्रिगेडियर अनूप सिंह जामवाल, (आई सी-17206), आर्टिलरी ।

14. ब्रिगेडियर राकेश दास, (आई सी-17267), से. मे. राजपूताना राइफल्स ।

15. ब्रिगेडियर बलबीर सिंह नन्दा, (आई सी-17539), विद्युत एवं यांत्रिक इंजीनियरी ।

16. ब्रिगेडियर गुणेन्द्र कुमार देव, (आई सी-19816), सिग्नल्स ।

17. ब्रिगेडियर जग्गू राम भट्टी, (आई सी-20089), से. मे. पंजाब ।

18. ब्रिगेडियर महेन्द्र कुमार बत्रा, (आई सी-22511), आर्टिलरी ।

19. ब्रिगेडियर शिवराज बहादुर माथुर, (आई सी-22810), आर्टिलरी ।

20. ब्रिगेडियर योगेन्द्र पाल गोयल, (आई सी-22832), राजपूताना राइफल्स ।

21. ब्रिगेडियर सुभाष चन्द्र जोशी, (आई सी-26123), यू. से. मे. पैरा ।

22. ब्रिगेडियर यशपाल, (एम आर-01682), सेना चिकित्सा कोर ।

23. ब्रिगेडियर कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, (टी सी-31490), सेना डाक सेवा ।

24. ब्रिगेडियर लाल राम रख्यानी, (आई सी-16616), इंजीनियर्स ।

25. ब्रिगेडियर असील सिंह, (आई सी-16560), कवचित कोर ।

26. ब्रिगेडियर सुरेश चन्द्र आनन्द, (डी आर-10141), सेना दन्तचिकित्सा कोर (सेवानिवृत्त) ।

27. ब्रिगेडियर दीपक कपूर, (आई सी-17622), आर्टिलरी ।

28. कर्नल वीरेन्द्र सिंह कौशल, (आई सी-16398), कवचित कोर ।

29. कर्नल राजेन्द्र सिंह, (आई सी-16779), विद्युत एवं यांत्रिक इंजीनियर्स ।

30. कर्नल विजय प्रकाश फ्रैंकलिन, (आई सी-17217), आर्टिलरी ।

31. कर्नल अवतार सिंह, (आई सी-19123), गार्ड्स।

32. कर्नल नरेन्द्र तलवार, (आई सी-19879), सिग्नल्स ।

33. कर्नल कृष्ण नन्दन, (आई सी-23590), सिग्नल्स।

34. कर्नल रवि शर्मा, (आई सी-24302), कुमाऊं ।

35. कर्नल ओम प्रकाश बेनीवाल, (आई सी-24579), सिग्नल्स ।

36. कर्नल अवधेश प्रकाश, (आई सी-24611), नागा ।

37. कर्नल विक्टर डोविड आइवर देवावरम, (आई सी-24926), मद्रास ।

38. कर्नल वर्यनजीत सिंह, (आई सी-25052), कवचित कोर ।

39. कर्नल रामस्वामी आयंगर रघुनाथन, (आई सी-25357), से. मे. सेना आयुध कोर ।

40. कर्नल वासुदेवन सुरेश नायर, (आई सी-25912), से. मे. महाराष्ट्र लाइट इन्फैंट्री ।

41. कर्नल विजय दादा साहेब प्रभु, (आई सी-26700), विद्युत एवं यांत्रिक इंजीनियर्स ।

42. कर्नल इकबाल सिंह, (आई सी-26796), सेना आयुध कोर ।

43. कर्नल जसबीर सिंह, (आई सी-27034), डोगरा रेजिमेंट ।

44. कर्नल अभय कुमार सिंह, (आई सी-27052), जम्मू-कश्मीर राइफल्स ।

45. कर्नल नन्द किशोर सिंह, (आई सी-27215), गोरखा राइफल्स ।

46. कर्नल सुरेन्द्र सिंह टोंक, (आई सी-27236), ग्रेनेडियर्स ।

47. कर्नल गुरदीप सिंह कोहली, (आई सी-28187), सेना आयुध कोर ।

48. कर्नल विनोद कुमार गौड़, (आई सी-28761), राजपूताना राइफल्स ।

49. कर्नल सईद अता हुसनैन, (आई सी-30353), गढ़वाल राइफल्स ।

50. कर्नल रोजवंत सिंह गिल, (आई सी-30727), से. मे. पैरा रेजिमेंट ।

51. कर्नल राजीव सिंह जमवाल, (आई सी-33499), से. मे. राजपूत रेजिमेंट ।

52. कर्नल मुरलीधर महापात्र, (एम आर-01922), सेना चिकित्सा कोर ।

53. कर्नल (कुमारी) स्वर्ण कौर सन्धु, (एन आर-13903), सैन्य परिचर्या सेवा ।

54. कर्नल नरूला प्रवीण कुमार, (आई सी-31478), डोगरा ।

55. कर्नल सुरेश कुमार खजूरिया, (आई सी-36119), 5 गोरखा राइफल्स ।

56. लैफ्टिनेंट कर्नल जैकब जैकब, (आई सी-25111), एम-इल-डी, आसूचना कोर ।

57. लैफ्टिनेंट कर्नल अमरेश्वर प्रताप सिंह, (आई सी-25819), से. मे. इंजीनियर्स ।

58. लैफ्टिनेंट कर्नल राजेश कक्कड़, (एम आर-03629), सेना चिकित्सा कोर ।

59. लैफ्टिनेंट कर्नल प्रकाश चन्द्र त्रिपाठी, (एम आर-04237), सेना चिकत्सा कोर ।

60. लैफ्टिनेंट कर्नल (कुमारी) विरोनिका रावरान, (एन आर-14813), मिलिट्री नर्सिंग सर्विस ।

61. मेजर रवि रामास्वामी, (आई सी-34814), विद्युत एवं यांत्रिक इंजीनियर्स ।

62. मेजर विक्रम तनेजा, (आई सी-34843), कवचित कोर ।

63. मेजर जगदीप सिंह विर्क, (आई सी-40695), कवचित कोर ।

64. मेजर दीप चन्द ठाकुर, (एम आर-5491), सेना चिकित्सा कोर ।

65. कमांडेंट आर. एस. उपाध्याय, (आई आर एल-ए-1362), एस एस, सी. रा. च. ।

66. कमोडोर धीरेन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ, 00620 एच

67. कमोडोर निर्मल प्रसाद गुप्ता, 40339-बी ।

68. कमोडोर अविनाश भंजनाथ तेलंग, 40262-बी ।

69. कमोडोर गावुरूपाड जनार्दन, 50229–एफ

70. कमोडोर निजाम महमद नवाफ, 40305–ए

71. कमोडोर नसीब सिंह नैन, 40313–डब्ल्यू

72. कैप्टन कंवल नयन भगत, 02378–बी

73. कैप्टन प्रदीप चौहान, 01610–एच

74. कमांडर मोहन कुट्टी, 50413–जेड

75. कमांडर आशीश विश्राम, 01569–आर

76. सर्जन कमांडर नीरज आनन्द वर्मा, 79025–ए

77. कमांडर नलिन कांत, 01849–ए

78. लेफ्टिनेन्ट कमांडर (एस डी ए एस डब्ल्यू) विनोद बिहारी लाल गुप्ता, 81279–जेड

79. भगत शरण पाण्डे, एम सी पी ओ आई, (आर पी आई) 083397–आर

80. निशान सिंह, एम सी पी ओ आर (एस पी एल) I. 068626–डब्ल्यू

81. एयर कमोडोर रामयार केकी बाथा, (9588) वैमानिक इन्जीनियरी (इलैक्ट्रानिकी)

82. एयर कमोडोर वीरेन्द्र कुमार शर्मा (10031), लेखा

83. ग्रुप कैप्टन प्रद्युमन सिंह, (9384) वैमानिक इन्जीनियरी (इलैक्ट्रानिकी)

84. ग्रुप कैप्टन अरुण दत्तात्रय करवीकर, वा. मे. (10865), उड़ान (पायलट)

85. ग्रुप कैप्टन सूर्य कुमार गुप्ता, (10983) उड़ान (पायलट)

86. ग्रुप कैप्टन प्रकाश विश्वनाथ कारापुरकर (11105), परिभारिकी

87. ग्रुप कैप्टन अम्बरीश कुमार (11547), वैमानिक इन्जीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

88. ग्रुप कैप्टन कोल विल्ले डीसोजा, (11676), प्रशासन

89. ग्रुप कैप्टन रणजीत सिंह टथगुर, (11877), उड़ान (पायलट)

90. ग्रुप कैप्टन अनिल राजेश्वरराव अम्बाटकर, (12087), वैमानिक इन्जीनियरी (यांत्रिक)

91. ग्रुप कैप्टन अनुराग भवानि शंकर पंडित, (12103), वैमानिक इन्जीनियरी (इलैक्ट्रानिकी)

92. ग्रुप कैप्टन बलाती कलन्डा उथैया चेंगप्पा, (12112), वैमानिक इन्जीनियरी (इलैक्ट्रानिकी)

93. ग्रुप कैप्टन अरुण कुमार तिवारी, (12194), उड़ान (पायलट)

94. ग्रुप कैप्टन ऋषि पाल सिंह, (12639), वैमानिक इन्जीनियरी (यांत्रिक)

95. ग्रुप कैप्टन सुरेश चन्द मुकुल, वा. मे. (12930), उड़ान (पायलट)

96. ग्रुप कैप्टन दिनेश चन्द्र कुमारिया, वा. मे. (13366), उड़ान (पायलट)

97. ग्रुप कैप्टन अनिल लोपड़ा, वा. मे. (13368), उड़ान (पायलट)

98. विंग कमांडर उमेश बहादुर माथुर, (12311), चिकित्सा

99. विंग कमांडर ओम प्रकाश गुप्ता, (13017), मौसम विज्ञान

100. विंग कमांडर अय्यागरी वेंकट सुब्बा राव, (14073), लेखा

101. विंग कमांडर रोडरिक ओसबर्न जोसफ एंसे, (14108), उड़ान (पायलट)

102. विंग कमांडर विमल अरोड़ा, (16025), दन्त चिकित्सा

103. स्क्वाड्रन लीडर राकेश लाल कपूर, (15366), (परिभारिकी)

104. स्क्वाड्रन लीडर उत्तम कांत चौधरी, (15834), वैमानिक इन्जीनियरी (यांत्रिक)

105. स्क्वाड्रन लीडर रमन कुट्टी छलाकोट, (16835), उड़ान (नेविगेटर)

106. स्क्वाड्रन लीडर हरिन्दर सिंह कमल, (16860), (परिभारिकी)

107. 226928—मास्टर वारन्ट अफसर मनिन्दर मोहन सरकार, यांत्रिक यातायात/फिटर

108. 727050—जूनियर वारन्ट अफसर मोहन रामचन्द्र पाटिल, भू-प्रशिक्षण अनुदेशक

109. जी ओ—1253—एफ एस ई (ई एण्ड एम), हंस राज

110. जी ओ—0878—के एस ई (सिविल), गुरदयाल सिंह परहार

111. जी ओ—1303—एफ असैनिक अधिकारी-1, कश्मीर लाल नोट

गिरीश प्रधान,
निदेशक

सं. 20-प्रेज/96—राष्ट्रपति निम्नलिखित अफसरों/कार्मिकों को उनकी असाधारण कर्तव्यपरायणता अथवा साहस के लिए 'सेना मेडल/आर्मी मेडल का बार' प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. कर्नल अर्जुन सिंह नेगी, (आई सी-30011), से.मे., गोरखा राइफल्स, 21 राष्ट्रीय राइफल्स

2. लेफ्टिनेंट कर्नल कमल कुमार शर्मा, (आई सी-34205), शौर्य चक्र, से.मे. 5 गोरखा राइफल्स

3. मेजर अवनिंद्र जोशी, (आई सी-47607), से.मे. गोरखा राइफल्स

4. जे सी-132600 सूबेदार भवानी दत्त पाण्डे से.मे. 13 असम राइफल्स

गिरीश प्रधान,
निदेशक

सं. 21-प्रेज/96—राष्ट्रपति निम्नलिखित अफसरों/कार्मिकों को उनकी असाधारण कर्तव्यपरायणता अथवा साहस के लिए 'सेना मेडल/आर्मी मेडल' प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. ब्रिगेडियर शरद रामचन्द्र लकटुके, (आई सी-15440), वि.से.मे. सिगनल्स

2. कर्नल योगेन्द्र मोहन अग्रवाल, (आई सी-25943), 9 ग्रेनेडियर्स

3. कर्नल ग्रेवाल तेजिन्द्र पाल सिंह, (आई सी-30798), 7 डोगरा रेजिमेंट

4. कर्नल कंवलजीत सिंह ओबराय (आई सी-27321), एम-इन-डी, 26 पंजाब रेजिमेंट

5. कर्नल मिश्रा लोकेश चन्द्र, (आई सी-32941), 4 ग्रेनेडियर्स

6. लेफ्टिनेंट कर्नल प्रभंजन संगम, (आई सी-30788), 2 सिख रेजिमेंट

7. लेफ्टिनेंट कर्नल सर्वजीत सिंह, (आई सी-32055), सेना विमानन कोर

8. मेजर अमरदीप सिंह (आई सी-44494), 2 सिख रेजिमेंट

9. मेजर संदीप शर्मा (आई सी-48358), 2 ग्रेनेडियर्स

10. मेजर सुभाष चन्द्र सिंगला, (आई सी-39172), 7 जाट रेजिमेंट

11. मेजर राकेश त्रिवेदी, (आई सी-46163), 10 बिहार रेजिमेंट

12. मेजर ओमिन्दर सिंह, (आई सी-43086), 10 सिख लाइट इंफैंट्री

13. मेजर बाबूराम कुशवाहा, (आई सी-42655), असम रेजिमेंट

14. मेजर सलिल यादव, (आई सी-47583), 7 राजपूताना राइफल्स

15. मेजर एरीज अरुण शर्मा, (आई सी-44518), 2 ग्रेनेडियर्स

16. मेजर अनूप मारवाह, (आई सी-48837), कवचित कोर

17. मेजर महेन्द्रजीत सिंह दहिया, (आई सी-42937), मद्रास रेजिमेंट (मरणोपरान्त)

18. मेजर रोहन आनन्द, (आई सी-50125), 7 जाट रेजिमेंट

19. मेजर अमरजीत सिंह, (आई सी-35919), बिहार रेजिमेंट

20. मेजर बलजीत सिंह गौरया, (आई सी-40367), बिहार रेजिमेंट

21. मेजर जोध सिंह, (आई सी-37946), 3 ग्रेनेडियर्स

22. मेजर टी जे डेविस, (आई सी-37139), कवचित कोर

23. मेजर सी शिवरामण उन्नीथान, (आई सी-49237), 9 राजपूत रेजिमेंट

24. मेजर शिंदे रामकांत राव नारायण राव, (आई सी-45345), कवचित कोर

25. मेजर विक्रांत सास्त्री, (आई सी-43430), मैकेनाइज्ड इंफैंट्री (मरणोपरान्त)

26. मेजर अविनाश मोहन काकडे, (आई सी-41168), 14 गढ़वाल राइफल्स

27. मेजर राजीव मैठाणी, (आई सी-34974), आसूचना कोर

28. मेजर सुनील बक्शी, (आई सी-37820), ग्रेनेडियर्स (मरणोपरान्त)

29. मेजर सुनील कुमार पाढ़ी, (आई सी-40549), 22 ग्रेनेडियर्स

30. मेजर राजिन्दर वर्मा, (आई सी-44208), 9 ग्रेनेडियर्स

31. मेजर जय किरत सिंह विर्क, (आई सी-45915), 14 डोगरा रेजिमेंट

32. मेजर गुरजीत सिंह मूलतानी, (आई सी-46138), 14 डोगरा रेजिमेंट

33. मेजर मुन्नीकृष्णनन मनीराज, (आई सी-47873), 27 राजपूत रेजिमेंट

34. मेजर धर्मपाल, (आई सी-38399), मद्रास रेजिमेंट

35. कप्तान जयरामन मुत्थुकृष्णन, (एम आर-06524), सेना चिकित्सा सेवा

36. कप्तान प्रणय कुमार, (आई सी-50261), इंजीनियर्स

37. कप्तान रनवीर सिंह यादव, (आई सी-48673), मैकेनाइज्ड इंफैंट्री

38. कप्तान मुकुल भंडारी, (आई सी-42057), राजपूत रेजिमेंट

39. कप्तान शैलेन्द्र सिंह शाही, (एस एस-35285), 15 पंजाब रेजिमेंट

40. कप्तान शोभा सिंह, (आर सी-418), 18 सिख रेजिमेंट

41. कप्तान प्रकाश महादेव सुर्वे, (आई सी-50782), 2 सिख रेजिमेंट

42. कप्तान कुलवाक्कोलन भुवन, (आई सी-45685), 9 पैराशूट रेजिमेंट

43. कप्तान अभिक चटर्जी, (एम आर-6313), सेना चिकित्सा कोर

44. कप्तान विनय शाही, (आई सी-51808), 2 जम्मू और कश्मीर राइफल्स

45. कप्तान प्रदीप सिंह चौकर, (आई सी-51476), 7 गार्ड्स

46. कप्तान कुलवंत सिंह, (एस एस-34927), आर्टिलरी

47. कप्तान अजय सिंह राणा, (आई सी-48805), सेना सेवा कोर

48. कप्तान डी सेषासाई मूर्ति, (आई सी-50715), 7 जाट रेजिमेंट

49. लेफ्टिनेंट सतीश कुमार प्रसाद, (आई सी-53459), वैद्युत एवं यांत्रिक इंजीनियर्स

50. सेकंड लेफ्टिनेंट इलुकापल्ली रघु व्यंकटेशवरलु, (आई सी-53082), सेना शिक्षा कोर

51. सेकंड लेफ्टिनेंट राजेश रमन, (आई सी-52772), राजपूत रेजिमेंट

52. सेकंड लेफ्टिनेंट अनिल यादव, (आई सी-52600), सेना सेवा कोर, (मरणोपरान्त)

53. सेकंड लेफ्टिनेंट अतुल शर्मा, (आई सी-52054), सेना सेवा कोर

54. सेकंड लेफ्टिनेंट एस मुरुगनंसम, (आई सी-51588), आर्टिलरी

55. सेकंड लेफ्टिनेंट बिदूर कुमार सिंह लोमर, (आई सी-53224), 15 कुमाऊं रेजिमेंट

56. सहायक कमांडेंट लाभ सिंह, (ए आर-177), 20 असम राइफल्स (मरणोपरान्त)

57. जे सी-192424 सूबेदार गुरमीत सिंह, 2 सिख रेजिमेंट

58. जे सी-223777 सूबेदार भावनाथ प्रसाद, सिगनल्स

59. जे सी-172580 सूबेदार गंगा सिंह नेगी, 2 गढ़वाल राइफल्स

60. जे सी-188424 सूबेदार परमजीत सिंह, 15 पंजाब रेजिमेंट (मरणोपरान्त)

61. जे सी-167415 सूबेदार सरवन राम, 11 ग्रेनेडियर्स

62. जे सी-204295 सूबेदार दर्शन सिंह, 2 सिख रेजिमेंट

63. जे सी-158976 सूबेदार प्रेम सिंह, 26 पंजाब रेजिमेंट

64. जे सी-192714 सूबेदार बीर बहादुर चंद, जम्मू और कश्मीर राइफल्स

65. जे सी-178971 सूबेदार हरचंद राय, 2 ग्रेनेडियर्स (मरणोपरान्त)

66. जे सी-196522 सूबेदार कश्मीर सिंह जसवाल, राष्ट्रीय राइफल्स

67. जे सी-176289 सूबेदार उमेद सिंह राठौर, 3 ग्रेनेडियर्स

68. जे सी-185223 सूबेदार शिव सिंह नेगी, गढ़वाल राइफल्स

69. जे सी-216468 नायब सूबेदार जागीर सिंह, 15 पंजाब रेजिमेंट

70. जे सी-193811 नायब सूबेदार अनसूया प्रसाद, 2 गढ़वाल राइफल्स (मरणोपरान्त)

71. जे सी-196193 नायब सूबेदार मोरे शिवाजी भीम राव, मराठा लाइट इंफैंट्री, 2 राष्ट्रीय राइफल्स

72. जे सी-428069 नायब सूबेदार जरनैल सिंह, पंजाब रेजिमेंट (मरणोपरांत)

73. जे सी-224546 नायब सूबेदार जीत सिंह, 13 सिख लाइट इंफैंट्री

74. जे सी-208177 नायब सूबेदार चिंतामणि जोशी, कुमाऊं रेजिमेंट

75. 14238111 कम्पनी हवलदार मेजर सतिश कुमार, सिगनल्स

76. 4256385 कम्पनी हवलदार मेजर धीर बहादुर सिंह, 10 बिहार रेजिमेंट

77. 3971969 कम्पनी हवलदार मेजर गुरभजन सिंह, 7 डोगरा रेजिमेंट

78. 4258717 हवलदार भागु उडिंग, 9 बिहार रेजिमेंट

79. 3382048 हवलदार चरण सिंह, 2 सिख रेजिमेंट

80. 4056639 हवलदार जनार्दन प्रसाद, 8 गढ़वाल राइफल्स

81. 4257485 हवलदार भडवा होरो, 10 बिहार रेजिमेंट (मरणोपरान्त)

82. 4259833 हवलदार प्रभात कुमार शर्मा, 10 बिहार रेजिमेंट

83. 2870615 हवलदार बलवान सिंह, 2 राजपूताना राइफल्स

84. 2668934 हवलदार जगदीश प्रसाद, ग्रेनेडियर्स (मरणोपरान्त)

85. 2678324 हवलदार बनवारी लाल गुर्जर, ग्रेनेडियर्स (मरणोपरान्त)

86. 3970734 हवलदार रतन लाल, 7 डोगरा रेजिमेंट

87. 4460989 हवलदार अमरीक सिंह, 16 सिख लाइट इंफैंट्री (मरणोपरान्त)

88. 2662781 हवलदार बाबू राम, 9 ग्रेनेडियर्स

89. 2675680 हवलदार असलामुद्दीन, 4 ग्रेनेडियर्स

90. 14700683 लांस हवलदार टी, संगमी मोरेन आओ, 2 नागा

91. 14257498 नायक केहरी सिंह, सिगनल्स

92. 2477196 नायक बलबीर सिंह, 15 पंजाब रेजिमेंट

93. 4352439 नायक एच बी जोयल अनल, 10 मद्रास रेजिमेंट

94. 2471003 नायक राम सिंह, 26 पंजाब रेजिमेंट

95. 2479183 नायक अश्वनी कुमार, पैराशूट रेजिमेंट (मरणोपरान्त)

96. 2477583 नायक गोपाल सिंह, 26 पंजाब रेजिमेंट

97. 14463777 नायक वी रतिनाम, आर्टिलरी

98. 4455880 नायक सुरजीत सिंह, सिख लाइट इंफैंट्री (मरणोपरान्त)

99. 4059512 नायक बुद्धी सिंह, 2 गढ़वाल राइफल्स, (मरणोपरान्त)

100. 2672876 नायक रणधीर सिंह, 2 ग्रेनेडियर्स

101 9085380 नायक अब्दुल क्यूम, जम्मू और कश्मीर लाइट इंफैंट्री

102. 2580284 नायक वी बासवा राड्डी, 3 मद्रास रेजिमेंट (मरणोपरान्त)

103. 2876240 नायक नेम पाल, 9 राजपूताना राइफल्स (मरणोपरान्त)

104. 3978550 नायक राम किशन, 7 डोगरा रेजिमेंट

105. 4174890 नायक तेज चंद, कमाऊं रेजिमेंट

106. 4062730 नायक अतोल सिंह, 5 गढ़वाल रेजिमेंट (मरणोपरान्त)

107. 4061291 नायक दिगम्बर सिंह, गढ़वाल राइफल्स

108. 2673715 नायक संत कुमार, 4 ग्रेनेडियर्स

109. 2674487 नायक वीरेन्द्र सिंह, 3 ग्रेनेडियर्स

110. 4176982 नायक ब्रह्म दत्त, 19 कुमाऊं रेजिमेंट

111. 2672674 नायक बलबीर सिंह, 9 ग्रेनेडियर्स

112. 4063034 नायक वारेन्द्र सिंह, 14 गढ़वाल राइफल्स (मरणोपरान्त)

113. 3980635 लांस नायक अशोक कुमार, 3 डोगरा रेजिमेन्ट

114. 4176787 लांस नायक भूपाल सिंह, कुमाऊं रेजिमेन्ट

115. 4179065 लांस नायक गोपाल सिंह, 12 कुमाऊं रेजिमेन्ट (मरणोपरान्त)

116. 2674931 लांस नायक अवतार सिंह, 4 ग्रेनेडियर्स रेजिमेन्ट

117. 3984369 लांस नायक रणजीत सिंह, डोगरा रेजिमेन्ट

118. 2475275 लांस नायक विजय कुमार, 26 पंजाब रेजिमेन्ट

119. 13752816 लांस नायक मोहम्मद खालीक, जम्मू और कश्मीर राइफल्स

120. 2678160 लांस नायक नरेन्द्र बहादुर सिंह, 3 ग्रेनेडियर्स

121. 4467322 लांस नायक सुलखन सिंह, 13 सिख लाइट इन्फैंट्री

122. 3185103 सिपाही जगदीश प्रसाद जाट, 6 जाट रेजिमेन्ट (मरणोपरान्त)

123. 4271308 सिपाही राजेन्द्र कुमार मोय, 4 बिहार रेजिमेन्ट

124. 2991196 सिपाही मनोज कुमार सिंह, 27 राजपूत रेजिमेन्ट

125. 3384543 सिपाही जागीर सिंह, 18 सिख रेजिमेन्ट

126. 3985795 सिपाही गोपाल सिंह, 7 डोगरा रेजिमेन्ट

127. 4183886 सिपाही मुकेश चन्द यादव, कुमाऊं रेजिमेन्ट

128. 4184184 सिपाही महेन्द्र सिंह, कुमाऊं रेजिमेन्ट (मरणोपरान्त)

129. 4361517 सिपाही पौतन लियान, असम रेजिमेन्ट (मरणोपरान्त)

130. 2983467 सिपाही शिव चरण, 5 राजपूत रेजिमेन्ट

131. 2985630 सिपाही श्री राम गुर्जर, 27 राजपूत रेजिमेन्ट (मरणोपरान्त)

132. 4183271 सिपाही महेश कुमार यादव, कुमाऊं रेजिमेन्ट

133. 4559900 सिपाही अंगद कुमार, महार रेजिमेन्ट

134. 2594604 सिपाही रवेन्द्र सिंह, मद्रास रेजिमेन्ट

135. 4178902 सिपाही ललित सिंह अधिकारी, कुमाऊं रेजिमेन्ट

136. 2479064 सिपाही नरेन्द्र सिंह, 26 पंजाब रेजिमेन्ट

137. 13752856 सिपाही गुलाम मोहम्मद शाह, 17 जम्मू और कश्मीर राइफल्स

138. 4471988 सिपाही बूटा सिंह, 13 सिख लाइट इन्फैंट्री

139. 9924148 सिपाही छोरिंग यांगछुक, लद्दाख स्काउट

140. 2484253 सिपाही राजिन्दर सिंह, 26 पंजाब रेजिमेन्ट

141. 3990032 सिपाही राज कुमार, डोगरा रेजिमेन्ट

142. 13752018 राइफलमैन रोशन सिंह, जम्मू और कश्मीर राइफल्स

143. 4067515 राइफलमैन राजबर सिंह, 2 गढ़वाल राइफल्स

144. 13748518 राइफलमैन जोगिन्द्र कुमार, जम्मू-कश्मीर राइफल्स (मरणोपरान्त)

145. 13750862 राइफलमैन फूल चंदपा, जम्मू-कश्मीर राइफल्स (मरणोपरान्त)

146. 2882243 राइफलमैन दलबीर सिंह, राजपूताना राइफल्स (मरणोपरान्त)

147. 2888108 राइफलमैन शांतनु सिंह, राजपूताना राइफल्स (मरणोपरान्त)

148. 5346865 राइफलमैन संजय कुमार ठाकुर, 4 गढ़वाल राइफल्स (मरणोपरान्त)

149. 153675 राइफलमैन जगविन्दर सिंह, 15 असम राइफल्स

150. 2678390 ग्रेनेडियर ब्रह्म पाल, 2 ग्रेनेडियर्स

151. 2683054 ग्रेनेडियर सुनील दत्त यादव, 22 ग्रेनेडियर्स

152. 2682982 ग्रेनेडियर मो. रफीक अली, 22 ग्रेनेडियर्स

153. 13689404 गार्ड्समैन सिंह राम, 11 गार्ड्स (मरणोपरान्त)

154. 14401555 गनर मनप्पा तलवार, आर्टिलरी (मरणोपरान्त)

155. 15311603 सैपर एन. विनायगम, इन्जीनियर्स (मरणोपरान्त)

156. 7239922 ए एल डी (आर्मी डाग ट्रेनर) सुख देव घोष, रिमाउन्ट और पशु चिकित्सा कोर

गिरीश प्रधान,
निदेशक

सं. 22-प्रेज/96—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अफसरों/कार्मिकों को उनकी असाधारण कर्त्तव्यपरायणता अथवा साहस के लिए 'नौसेना मेडल/नेवल मेडल' प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. सर्जन कमांडर अनिल अहुजा, (75169–एन)

2. कमांडर अस्पी कावास्जी, (02190–ए)

3. लेफ्टिनेन्ट कमांडर आसी सेल्वराजन, (02041 एन)

4. लेफ्टिनेन्ट कमांडर गुरिन्दर सिंह सेखों, (02611–एच)

5. लेफ्टिनेन्ट कमांडर जगबीर सिंह तेवतिया, (02702–आर)

6. लेफ्टिनेन्ट कमांडर राजीव कुमार, (02707–ए)

7. लेफ्टिनेन्ट दीपक बाजपेयी, (03157–जेड)

8. लेफ्टिनेन्ट शेषाद्रि श्रीवत्सा, (03717–वाई)

9. लक्ष्मी नारायण शर्मा, सी पी ओ, सी डी आई (20156–बी) (सेवानिवृत्त)

10. पवनेश कुमार त्रिपाठी, एम ई–II, (177962–के) (मरणोपरान्त)

गिरीश प्रधान,
निदेशक

सं. 23-प्रेज/96—राष्ट्रपति निम्नलिखित अफसरों/कार्मिकों को उनकी असाधारण कर्त्तव्यपरायणता अथवा साहस के लिए "वायुसेना मेडल/एयर फोर्स मेडल" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. ग्रुप कैप्टन अरुण गुरुनन्दन कात्रे (11852), उड़ान (पायलट)

2. ग्रुप कैप्टन सतीश कुमार सोफत (12207), उड़ान (पायलट)

3. ग्रुप कैप्टन अमुल कपूर (13378), उड़ान (पायलट)

4. ग्रुप कैप्टन शशि प्रकाश ओझा (13394), उड़ान (पायलट)

5. ग्रुप कैप्टन पुन्नोली इरुपट्टील मुरलीधरन (13579), उड़ान (पायलट)

6. ग्रुप कैप्टन अतुल सइकिया (13585), उड़ान (पायलट)

7. ग्रुप कैप्टन प्रवीण चन्दर चोपड़ा (10883), उड़ान (पायलट)

8. ग्रुप कैप्टन अनिल गुप्ता (13242), उड़ान (पायलट)

9. ग्रुप कैप्टन कृष्ण कुमार स्वामीनानाथन, (13251) उड़ान (पायलट)

10. ग्रुप कैप्टन वैद्यानाथन बाबू (13386), उड़ान (पायलट)

11. विंग कमांडर राजिन्द्र पाल सिंह गिल, (13767) उड़ान (पायलट)

12. विंग कमांडर विजय कुमार बालो (13787), उड़ान (पायलट)

13. विंग कमांडर राज कुमार बेनिवाल (13789), उड़ान (पायलट)

14. विंग कमांडर हरभजन सिंह संधु (15428), उड़ान (पायलट)

15. विंग कमांडर अनूप किशोर प्रसाद (15566), उड़ान (पायलट)

16. स्क्वाड्रन लीडर राजू रामास्वामी श्रीनिवासन (16234), उड़ान (पायलट)

17. फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट कन्दरपा वेन्कटा सूर्य नरसिम्हा मूर्ति (20136), उड़ान (पायलट)

गिरीश प्रधान,
निदेशक

कृषि मंत्रालय

कृषि और सहकारिता विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1995

सं. 20-4/94-फसल प्रशासन-5—भारत सरकार ने दिनांक 26 मई, 1992 के संकल्प संख्या 24-1/89- फसल प्रशासन-2 के द्वारा गठित भारतीय तम्बाकू विकास परिषद् का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है। पुनर्गठित परिषद में निम्नलिखित शामिल होंगे :—

अध्यक्ष

1. भारत सरकार द्वारा नामजद किया जाने वाला गैर सरकारी व्यक्ति ।

उपाध्यक्ष

2. कृषि आयुक्त
कृषि मंत्रालय
कृषि और सहकारिता विभाग, नई दिल्ली ।

3. सदस्य

क. संसद सदस्य

संसद के तीन सदस्य (दो लोक सभा से तथा एक राज्य सभा से) जो संसदीय कार्य विभाग द्वारा नामजद किए जाएंगे ।

(ख) राज्य सरकारों के प्रतिनिधि—निम्नलिखित राज्यों के कृषि विभागों के चार प्रतिनिधि जो इस पुनर्गठन में संबंधित राज्य सरकारों द्वारा बारी-बारी से नामजद किए जाएंगे—

	प्रतिनिधियों की संख्या
1. आन्ध्र प्रदेश	1
2. बिहार	1
3. गुजरात	1
4. मध्य प्रदेश	1

ग. केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि

(क) योजना आयोग का एक प्रतिनिधि

(ख) वाणिज्य मंत्रालय का एक प्रतिनिधि

(ग) निदेशक, केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजमुन्दरी, आंध्र प्रदेश

(घ) कृषि और सहकारिता विभाग में तम्बाकू से संबंधित संयुक्त

(ङ) अध्यक्ष राष्ट्रीय सहकारी तम्बाकू उत्पादक संघ लिमिटेड, आनन्द ।

घ. उत्पादकों के प्रतिनिधि

मुख्य तम्बाकू उत्पाद राज्यों से संबंधित राज्य सरकारों द्वारा निम्नलिखित रूप से नामजद किए जाने वाले चार उत्पादक प्रतिनिधि क्रमानुसार जिसका गठन इस प्रकार है

	प्रतिनिधियों की संख्या
1. आन्ध्र प्रदेश	1
2. बिहार	1
3. गुजरात	1
4. तमिलनाडु	1

ङ. व्यापार के प्रतिनिधि

व्यापार का एक प्रतिनिधि जिसको वाणिज्य मंत्रालय द्वारा संस्तुत किया जाएगा ।

च. उद्योग के प्रतिनिधि

उद्योग का एक प्रतिनिधि जिसको वाणिज्य मंत्रालय द्वारा संस्तुत किया जाएगा ।

मंत्रालय द्वारा संस्तुत किया जाएगा ।

छ. अन्य

कार्यकर्त्ताओं के प्रतिनिधि

1. फार्म के कार्य में लगे हुए एक

2. कारखानों में कार्य करने वाले

ज. ऐसे अतिरिक्त व्यक्ति जो

समय-समय पर भारत सरकार द्वारा नामजद किए जाएंगे ।

सदस्य सचिव

4. निदेशक, तम्बाकू विकास निदेशालय, 26, हैडोस रोड, मद्रास ।

विशेष आमंत्रित व्यक्ति

5. (परिषद् के विचार-विमर्श में सहायक करने के लिए व्यक्तियों की सुविज्ञता एवं अनुभव को ध्यान में रखते हुए यदि परिषद् द्वारा आवश्यक समझा जाएगा ।)

2. परिषद् एक सलाहकार निकाय होगी और यह उपर पैरा-1 के संदर्भ में दिनांक 26-5-92 के संकल्प सं. 24-1/89 फसल प्रशा.-2 के पैरा-2 में उल्लिखित किए गए अनुसार कार्य करती रहेगी ।

3. परिषद् को विशेष मामलों पर विचार करने के लिए स्थायी समिति तकनीकी समिति और तदर्थ समिति स्थापित करने तथा विशेष प्रयोजनों के लिए आवश्यकतानुसार कृषि विश्वविद्यालयों तथा अन्य विशेष हितों के प्रतिनिधियों जैसे सदस्यों को सहयोजित करने का अधिकार होगा ।

4. परिषद् की बैठक समय-समय पर तम्बाकू उत्पादक क्षेत्रों तथा व्यापार एवं उद्योग के महत्वपूर्ण केन्द्रों में होगी और परिषद भारत सरकार को अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी ।

5. परिषद तब तक काम करती रहेगी जब तक सरकार के संकल्प द्वारा इसे समाप्त नहीं किया जाता । परिषद् के अध्यक्ष तथा अन्य गैर सरकारी सदस्यों का कार्यकाल परिषद में उनके नामित होने की तिथि से तीन वर्ष होगा, बशर्ते भारत सरकार के विशेष आदेश द्वारा इस अवधि को घटाया या बढ़ाया जाए ।

6. संसद के सदस्यों में से नामित होने वाले परिषद के सदस्य, संसद सदस्य न रहने पर परिषद् के सदस्य नहीं रहेंगे ।

7. परिषदों आदि जैसे सरकारी निकायों में कार्यरत संसद सदस्य, समय-समय पर संशोधित संसद सदस्यों का वेतन भत्ते तथा पेन्शन अधिनियम 1954 के प्रावधानों तथा इसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार उन निकायों की बैठकों में भाग लेने के लिए यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता लेने के हकदार के हकदार होंगे ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों संघ शासित प्रदेशों के प्रशासनों तथा भारत सरकार के मंत्रालयों, योजना आयोग मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री का कार्यालय, लोक सभा तथा राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाए ।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्व-साधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

वीणा उपाध्याय
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 1996

No. 14-Pres/96.—The President is pleased to approve the award of 'Kirti Chakra' to the undermentioned person for acts of conspicuous gallantry :—

LIEUTENANT COLONEL SUNIL KUMAR RAZDAN (IC-36909), PARA

(Effective date of the award : 8th October, 1994)

At 0600 hours on 08 October 1994, Lieutenant Colonel Sunil Kumar Razdan officiating Commanding Officer of 6 Rashtriya Rifles Battalion alongwith two companies, went out on a seek and encounter mission in the area of Damhal Hanzpur in Anantnag District of Jammu and Kashmir. On his way back, at about 1700 hours, he received intelligence that there was a likelihood of some arms/ammunition hidden in a house in village Nandmarg.

After marching for over five hours, he and his party reached the suspected house and laid a cordon around it. Lieutenant Colonel Razdan entered the house to question the inmates, who started firing in all directions at point blank range. Lieutenant Colonel Razdan had no time to return the fire, and hence, he physically charged at the militants. A hand to hand fight ensued. As Lieutenant Colonel Razdan was trying to snatch the weapon of one of the militants, he managed to fire wounding him in his hand and abdomen. Unmindful of his wounds, Lieutenant Colonel Razdan succeeded in snatching the weapon and shot the militant dead. He also killed another militant who was firing at him. Though severely wounded, he refused to be evacuated and continued to direct the operation throughout the night till the last of the militants was eliminated. His indomitable spirit and undaunting courage inspired his men to dizzy heights of bravery which resulted in the killing of nine hardcore Pakistan trained militants of the Hizbul Mujahideen, besides the recovery of one Universal Machine Gun, five AK-47/56 rifles and large quantities of ammunition and other military hardware.

Lieutenant Colonel Sunil Kumar Razdan, thus, displayed firm determination, devotion to duty, exceptional gallantry and bravery of the highest order.

G. B. PRADHAN,
Director

No. 15-Pres/96.—The President is pleased to approve the award of 'Vir Chakra' to the undermentioned persons for acts of gallantry :—

1. CAPTAIN SUNIL KHOKHAR (SS-34916), ARTILLERY (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 7th May, 1994)

Captain Sunil Khokhar, 268 Medium Regiment volunteered to man the Pahalawan Observation Post, in Jammu and Kashmir height 19856 feet on 20 February 1994 and volunteered to remain on the post even beyond his scheduled tenure of 45 days.

In the early hours of 05th May, 1994 the probing action launched by the enemy resulted in heavy exchange of fire, with definite planned attempts on part of the enemy to capture this strategic post. After blunting the enemy attempts, a patrol was launched and at about 2100 hours the enemy camp site was located and an artillery shoot was planned.

On 07 May 1994 Captain Sunil Khokhar was detailed to accompany a subsequent patrol for directing the artillery fire on the enemy camp site. The officer took the initiative to carry out the silent registration of targets, before going with the patrol. While carrying out his task, the officer came under enemy small arms fire. The officer displaying great courage, showing absolute disregard to his personal safety continued to carry out silent registration of targets, till the time an enemy bullet brought an untimely end to the life of this valiant officer.

Captain Sunil Khokhar thus exhibited physical courage, professional brilliance, dedication and maturity and gave the supreme sacrifice in completing the task beyond the call of duty.

2. CAPTAIN SUNIT BARNIE (IC-51358), SIKH LIGHT INFANTRY (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 8th April, 1995)

On 08 April 1995 at 1940 hours enemy posts Mirpur and Upper Sanjoi opened very heavy fire on own post Hump located approximately 150 metres away from Line of Control. Captain Sunit Barnie was Post Commander of at a very sensitive Post 'Hump'.

While the firing was going on, some militants crept in close to the Post from the West and started firing rockets and small arms. Captain Sunit Barnie who was firing MMG on enemy post Mirpur Heights, with utter disregard to personal safety moved the MMG single handedly to another position from where he could effectively neutralise the rocket fire of the militants under very heavy fire from the enemy posts. One rocket fired by the militants landed in the close proximity of Captain Barnie and he was hit by a sharpnel in the left groin. Despite being seriously wounded, Captain Barnie refused to be evacuated and continued to engage the militants by fire till their fire was suppressed and they finally fled around 2200 hours. Being seriously wounded, he succumbed to his wounds enroute at 0130 hours on 09 April 1995.

Captain Sunil Barnie, thus, displayed pre-eminent valour and spirit of self sacrifice.

3. 14701380 HAVILDAR JOSEPH ANAL CHANG, 2 NAGA

(Effective date of the award 06th June, 1995).

Havildar Joseph Anal Chang, has been consistently performing creditably against the enemy on the Line of Control. He is an excellent marksman, particularly with 84mm RL.

In August 1994, as part of the unit 'Ghatak' team he had volunteered for a fire assault operation on the Line of Control, and as commander RL Detachment No. 1, had destroyed enemy bunker No. 1 totally. This he did at first light within 50m of the enemy. Again on 23 May 1995, during a fire fight on the Line of Control he was instrumental in effectively engaging and silencing the enemy from a temporary position in the open despite his RL No. 2 suffering a splinter wound in the left chest. Yet again on 28 May 1995, when his patrol was effectively engaged by the enemy, he personally rallied with Light Machine gun and 2" Mortor covering fire to extricate his patrol. On 06 June 1995, during a fire fight with the enemy on the Line of Control, he destroyed the enemy Flag Area bunker firing 84mm RL, with total disregard for personal safety.

Havildar Joseph Anal Chang, thus, displayed undaunted courage, cool confidence, devoted professionalism demonstrated grit and initiative in the face of enemy.

G. B. PRADHAN,
Director

No. 16-Pres./96.—The President is pleased to approve the award of 'Shaurya Chakra' to the undermentioned persons for acts of gallantry :—

1. 2478430 LANCE NAIK SADHU SINGH, 15 PUNJAB REGIMENT (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 10th July, 1994)

On 10 July, 1994 a cordon and search operation was launched in general area of 'Potus' and adjacent jungles in Jammu and Kashmir. Lance Naik Sadhu Singh, Section Commander 15 Punjab established a stop and noticed two armed militants who opened fire on the troops, chased them despite heavy volume of automatic fire brought on him.

Lance Naik Sadhu Singh showing cold courage closed on one militant who was not only firing heavy volume of automatic fire but also started throwing grenades. The militant went to hiding in the thick foliage of the jungle and stony crevices. Lance Naik Sadhu Singh organised a close cordon of the area where the militant was hiding and firing. He lobbed a number of grenades on the militant. Lance Naik Sadhu Singh fully determined to eliminate the hard core militant charged on him and shot him dead. He aws later identified as Battalion Administrator of Hizbul Mujahideen of Rafiabad belt and in this ferocious encounter, the NCO made the supreme sacrifice of laying down his life. This operation lead to the recovery of 2 Rifles AK 56, ten Magazines AK 56 and other ammunition including 5 grenades.

Lance Naik Sadhu Singh, thus, displayed dare devil courage, highest standard of devotion to duty and supreme sacrifice of laying down his life.

2. 13691458 NAIK EBRAHIM KHAN, 9 PARA (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 14th August, 1994)

On 14 August 1994, a team 9 Para commando was launched to seek and destroy, a suicide squard of 'guest militants' despatched by Harkat-Ul-Ansar to disrupt the Amarnath Yatra. Naik Ebrahim Khan was a member of one of the parties so tasked in general area of Kolur in Jammu and Kashmir at an altitude of 3000 metres.

By 0710 hours the party reached the general area and surrounded the militants who had taken shelter in a 'Gujjar Bahak' designed as a bunker. Repeated hits by rockets launcher could not destroy the bunker and the well entrenched militants brought down heavy volume of fire. At 1800 hours Naik Ebrahim Khan volunteered to approach the 'Bahak'. With raw courage, this brave soldier, unmindful of the heavy fire charged towards the 'Bahak' through an open path of 35 metres. Though hit by scores of bullets, this brave commando continued his relentless charge till he reached the 'Bahak'. Naik Ebrahim Khan leapt into the 'Bahak' with his buddy pair and fierce hand to hand fight ensued with the militants who were no match for this determined commando and had to pay the ultimate price. The mortally wounded Naik Ebrahim Khan killed all the remaining militants before making the supreme sacrifice.

Naik Ebrahim Khan, thus, displayed exceptional gallantry, dogged determination and spirit of self sacrifice.

3. JC-185475 SUBEDAR AVTAR SINGH, 15 PUNJAB REGIMENT (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 28th August, 1994)

On 28 August 1994 cordon and search operation was launched in villages Shirapura and Kohilyan in Jammu & Kashmir.

Subedar Avtar Singh led a party to close cordon and search of a suspected house. When search was in progress, militants inside a hideout pushed out a loosely placed brick in the outer wall of the hideout and through this opened fire which fatally injured a Sepoy Resam Singh. Two militants then rushed out of the hideout firing indiscriminately at the close cordon. Subedar Avtar Singh, showing cold courage, effectively engaged the militants from close quarters. In this shootout, he got grievously injured.

Despite the critical injuries, Subedar Avtar Singh displayed dare devil courage and in total disregard to his personnel safety, kept on firing at the militants and shot both of them dead. They were identified as an Afghan mercenary and battalion commander of Hizbul Mujahideen. The operation led to the recovery of 2 AK 56 Rifles along with ammunitions and 3 grenades. Unfortunately Subedar Avtar Singh succumbed to his injuries on the same day.

Subedar Avtar Singh, thus displayed dare devil courage in the face of heavy odds and made the Supreme sacrifice.

4. 2974070 HAVILDAR HANUMAN PRASAD SINGH, 27 RAJPUT REGIMENT (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 4th October, 1994)

On 04 October 1994, based on specific information 27 Rajput conducted search operation in a village in UFL (MT-19) of Baramulla district of Jammu and Kashmir.

At about 1530 hrs two militants trapped inside a thatched roof wooden house jumped out of a window and moved into the nallah South West of the house. The stops fired at the feeling militants but due to dense foliage could not shoot at them accurately.

One of the feeling militants suddenly turned around, threw a hand grenade and fired a long burst at the stops

who were chasing them. Due to the militants firing Havildar Hanuman Prasad Singh received a gun shot wound in his chest. Though critically wounded and bleeding profusely, Havildar Singh, undeterred by his injury and in total disregard to his personal safety, chased and killed both the dreaded militants, thus preventing further casualties. One of the dead militants was later identified as platoon commander of Hizbul Mujahideen group. Havildar Hanuman Prasad Singh, however, succumbed to his injuries at the helipad before he could be evacuated.

Havildar Hanuman Prasad Singh, thus, displayed conspicuous gallantry, extreme devotion to duty and patriotism of the most superlative order.

5. 4462677 LANCE NAIK JOGINDER SINGH, SIKH LIGHT INFANTRY (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 24th October, 1994)

On 24 October 1994 a seek and encounter mission was planned by the Second Battalion of the Rashtriya Rifles. The Charlie Company operated in civil trucks.

As the company reached 500 metres of village Liwar in Anantnag District of Jammu and Kashmir they were fired upon at a very close range from a height south-west of the village. The troops immediately returned the fire. Lance Naik Joginder Singh jumped out of the truck and charged towards the firing militants. With total disregard to his personal safety he crawled from cover to cover firing his weapon and reached near the firing militants.

As he was closing in he was hit by a bullet in his neck. Notwithstanding the injury, Lance Naik Joginder Singh kept on advancing and firing at the militants. In the shoot-out which continued for 15—20 minutes, Lance Naik Joginder Singh, with dare devil courage, despite being critically wounded, succeded in killing two hard core Pakistan trained militants of Hizbul Muzahideen. Despite being shot in the neck, he continued to fight before soccumbing to his injuries due to excessive bleeding. One Rifle AK-47, three magazines and sizeable ammunition were recovered in this operation.

Lance Naik Joginder Singh, thus, displayed conspicuous bravery with utter disregard to personal safety and made the supreme sacrifice in fighting the militants.

6. CAPTAIN SANJAY CHAUHAN (IC-50921), 16 RAJPUTANA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 29th October, 1994)

On 28 October 1994 Captain Sanjay Chauhan, Quarter Master of 16 Rajputana Rifles received information about 5-6 hardcore terrorists visiting village Lachhampura in Kupwara district of Jammu & Kashmir, every day. The officer evolved a plan and moved to the location alongwith his team.

At Lachhampura, at 1100 hrs on 29th October, 1994 he observed 5-6 terrorists climbing a ridge. The officer modifying his original plan rushed to block the escaping terrorists. On the ridge line this party was engaged by automatic fire by the terrorists, in which the Light Machine Gun person was fatally injured. The officer immediately took the Light Machine Gun himself, engaged the terrorists and killed one of them instantly. Upon this the terrorists hiding in the forest regrouped and surrounded the party bringing down instense automatic fire. Realising that they were overwhelmingly outnumbered and surrounded, he ordered his party of Junior Commissioned Officer and 11 other ranks to move to a hill about 700 metres behind while he provided covering fire. Captain Sanjay Chauhan and his party continued to engage the terrorists till their ammunition was exhausted. With dogged determination the officer and his men charged on the terrorists and grappled with them in intense hand to hand fight. The Officer fell to a volley of fire from the terrorists but not before he had personally killed Abu Mosa, a foreign mercenary and Saba, the Launch Commander of the district. He succumbed to his injuries later.

Captain Sanjay Chauhan, thus, displayed conspicuous bravery, exemplary and indomitable courage in utter disregard to his personal safety.

7. SHRI AJAY KUMAR SINGH, RANCHI, BIHAR (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 1st December, 1994)

At about 3.20 p.m. on 1st December, 1994, two armed robbers entered into the premises of Union Bank of India, Shyamali Colony Branch, Ranchi, Bihar and demanded cash safe keys and cash at gun point. The armed robbers threatened the staff members with dire consequences, if they did not carry out the orders and asked them to move to a room. One of the robbers forced the Accountant and Cashier to open the door of the strong room and cash safe and ordered the Cashier to put the entire money in a paper carton lying inside the strong room. Meanwhile, the other robber cut the telephone wire and as he tried to cut the wire of security alarm, the alarm got activated. Sensing the danger, the robbers tried to flee on a motorcycle. In the meantime, the staff members started shouting to attract public attention.

On hearing the alarm, two boys about 18-20 years, who were playing in the ground adjacent to the bank came running and saw the miscreants escaping with the booty on the motorcycle. One of the two boys viz. Shri Ajay Kumar Singh chased the motorcycle and tried to pull down the pillion rider from the motor cycle. The pillion rider, first tried to create fear psychosis and fired two to three rounds at Shri Ajay Kumar Singh. However, on seeing that Shri Singh had not given up chasing, he fired at Shri Ajay Kumar Singh, thus injuring him fatally. During the scuffle with Shri Ajay Kumar Singh, some packets of currency notes fell out of the paper carton, which were later on brought to the Bank, amounted to Rs. 80,000/-. Shri Ajay Kumar Singh, who was seriously injured was taken to MECON Hospital but unfortunately he succumbed to his injuries in the evening on the same day.

Shri Ajay Kumar Singh, thus, displayed exemplary courage and had shown high civic sense in apprehending the miscreants and made the supreme sacrifice.

8. 2683817 LANCE NAIK RAJ MAL MEENA, 22 GRENADIERS (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 31st December, 1994)

On 31 December 1994, 22 Grenadiers carried out a cordon and search operation in village Chandgam in Pulwama District of Jammu and Kashmir based on an information about the presence of militants.

At 0710 hours 'Delta Company Commander's party cordoned a specific two storeyed house. Lance Naik Raj Mal Meena who was the entry man number one moved from the first floor to second floor up the stairs. The moment his torso was exposed, the militants in the second floor fired at him and Lance Naik Raj Mal Meena got a burst of bullets of his right shoulder. Though grievously wounded, Lance Naik Raj Mal Meena sensing danger to his comrades who were following him up the stairs, rushed up, closed in with the militants and fired with his automatic rifle killing two hard core armed militants. In the ensuing fire-fight he sustained injury on his neck too. The third militant who managed to move into the neighbouring room was later killed by the search party. Lance Naik Raj Mal Meena succumbed to his injuries during evacuation. The operation also resulted in recovery of 3 Rifle AK-56, 7 magazines and a sizeable ammunition.

Lance Naik Raj Mal Meena, thus, displayed unflinching devotion to duty, exemplary courage at the cost of his own life.

9. GS-158407-W DRIVER MECHANICAL EQUIPMENT KEWAL KRISHAN MEHTA, BRDB (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 21st January, 1995)

On 21 January, 1995, DME Kewal Krishan Mehta of 164 formation cutting platoon of project Sewak was deployed for widening of formation with his dozer at Km. 62.1 on road Wokha-Bokajan. Suddenly small pebbles started falling from the hill face and Havildar Prabhakar Rao who was directing the dozer, blew his whistle indicating immediate danger. He could have easily abandoned his dozer and run

to safety. Yet, inspite of imminent danger to his life DME Kewal Krishan Mehta did not abandon the dozer but kept trying to manoeuver it to safety. Before he could clear the danger zone, 5 to 6 huge boulders fell on him. On removal of boulders, his body was found in a sitting position in the operator's seat. His neck and right side of the body were crushed and he had died instantaneously. However, the dozer was saved and put to use again.

Driver Mechanical Equipment Kewal Krishan Mehta displayed gallantry, cool courage and devotion to duty by trying to save valuable Government property at the cost of his own life.

10. 13610845 HAVILDAR CHITRU RAM, 7 JAT REGIMENT (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 11th February 1995)

On 11 February 1995, in village Badi Pathri of Badgam District of Jammu and Kashmir, cordon and search operation was carried out by 7th Battalion of the Jat Regiment.

Havildar Chitru Ram was in the party of Major Rohan Anand. On approaching a house, the party drew intense and effective terrorist fire from a number of directions resulting in Havildar Chitru Ram getting injured in his back and left shoulder. At this moment, he saw his Company Commander Major Rohan Anand rushing towards the house, from which fire was coming, he covered his Company Commander by firing back. After his Company Commander had extricated himself, he sensed further danger and moved nearer to the house resulting in further injuries to himself but managed to kill one hardcore terrorist trying to come out of the house. In the ensuing fire fight Havildar Chitru Ram, despite grievous injuries and threat to his own life, killed one more hardcore terrorist, before succumbing to his injuries. The operation also resulted in recovery of 3 Rifles AK-56, 6 magazines and a large quantity of ammunition.

Havildar Chitru Ram, thus, displayed personal courage, spirit of self sacrifice and unflinching loyalty to the Nation.

11. JC-518045 NAIB SUBEDAR PARKASH LAL, 15 DOGRA REGIMENT

(Effective date of the award : 14th February 1995)

On 14 February 1995, Naib Subedar Parkash Lal of 15 Dogra was the protection party commander of a convoy moving from Drugmul to Sarkuli, Jammu and Kashmir.

On returning from Sarkuli, Naib Subedar Parkash lal was moving in the last vehicle. While approaching Khumbriyal, a group of militants blasted the last vehicle using an improvised explosive device with a remote control. The impact of the blast was so powerful that the vehicle was smashed into pieces killing all five occupants sitting in the body of the vehicle and Naib Subedar Parkash lal suffered multiple injuries all over the body and face, with loss of vision in one eye and only partial vision in the other. The militants opened up with a heavy volume of fire. Despite the serious injuries the Junior Commissioned Officer crawled out of the wreckage, found his weapon and returned the fire with total disregard to his personal safety, he effectively kept the militants engaged though his injuries had practically blinded him. With this bold action he kept the militants engaged till the arrival of reinforcements. When reinforcements arrived, Naib Subedar Parkash lal was still engaging the militants and he was evacuated in a critical conditions.

Naib Subedar Parkash Lal, thus, displayed courage and valour despite the serious nature of his injuries.

12. 2671799 LANCE HAVILDAR RANPAL SINGH, 3 GRENADIERS.

(Effective date of the award : 23rd February 1995)

On 23 February 1995, Lance Havildar Ranpal Singh of 3 Grenadiers was leading an ambush party in Batnar Village in Kupwara District of Jammu and Kashmir.

At 1020 hours he noticed three militants approaching. He challenged them to surrender. However, in response, the militants opened a heavy brusts of automatic fire and tried to take Havildar Ranpal Singh immediately rushed out of his position to interdict the fleeing militants from reaching the house. In the process, he was hit by a burst of AK fire from behind by another militant group, hiding in another hut, severely injuring his shoulders and back. Inspite of his grievous injuries, the valiant soldier charged towards the three militants who had by then entered the lone house, kicked open a window, and jumped inside the hut to neutralise them. There was an intense fire fight and suddenly everything went silent inside the lone house. Major Jodh Singh, his company commander, who had rushed immediately thereafter to reinforce the position found Lance Havildar Ranpal Singh sprawled over one of the militants in a pool of blood, while bodies of two other killed militants were lying besides him.

Lance Havildar Ranpal Singh, thus, displayed dogged determination, indomitable will and rare courage in the face of very heavy odds.

13. CAPTAIN RAKESH SHARMA (IC-48774), MECHANISED INFANTRY 11 RASHTRIYA RIFLES

(POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 04th March 1995)

Captain Rakesh Sharma, 11 Rashtriya Rifles was leading a column during operation 'Snow Man' in the region of Bhadarwah, Doda district in Jammu & Kashmir.

On 04 March 1995 in general area Konderu, a fierce encounter ensued wherein the column under Captain Rakesh Sharma shot dead a dreaded militant, Ahmed Shah Masud. His column also chased the rest of the fleeing militants when a heavy volume of fire came from a double storey building. Captain Rakesh Sharma immediately established a fire base and placed stops. He tried to flush out the militants and in the process Captain Rakesh Sharma received a bullet injury on his left shoulder. He refused evacuation and stormed the house under covering fire, bewildering the militants. In the close quarter battle that ensued, the officer's location saved his team from militant fire but they could not provide him close fire support. Unmindful of personal safety he stormed the militants' gun position and killed an Afghan mercenary on the spot. Before he could disengage and tackle the remaining militants, he was hit by a burst of AK 56 from the next room. Captain Rakesh with utter disregard to his personal safety charged into the room spraying bullets and killed another foreign mercenary but he received a fatal injury on the left of his neck. The brave officer later succumbed to his injuries at 1600 hrs. This operation resulted in killing of three militants and recovery of three AK 56 rifles and four magazines.

Captain Rakesh Sharma, thus, displayed unflinching devotion to duty and exemplary courage at the cost of his own life.

14. 4184438 SEPOY BHAGWAN SINGH, KUMAON REGIMENT (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 31st March, 1995)

While carrying out operations in village Benawas of Kangan Tehsil of Srinagar on 31 March 1995, the troops came under heavy automatic and accurate fire from the northern heights, which affected their advance.

Sepoy Bhagwan Singh of 13 Rashtriya Rifles was a member of the Quick Reaction Team. With keen observation, he spotted two terrorists firing from behind a boulder twenty metres ahead. Sepoy Bhagwan Singh asked his buddy to cover his move and carried out a left outflanking manoeuvre, thereby completely surprising the terrorist who fired blindly at him and injured him in left thigh and knee. Despite injury, Sepoy Bhagwan Singh shot dead the terrorist. At the same time, the other terrorist also fired point blank at Sepoy Bhagwan Singh, who was charging at him, thereby injuring him in left abdomen, armpit and right hand. Though grievously injured, Sepoy Bhagwan Singh, in a display of raw courage, crawled for ten metres and hurled a grenade thereby killing the second terrorist before succumbing to his injuries.

Sepoy Bhagwan Singh, thus, displayed extraordinary courage, devotion of duty and made the supreme sacrifice in

15. JC-177912 SUBEDAR PREM CHAND SHARMA, 26 PUNJAB REGIMENT (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 03rd April, 1995)

On 03 April 1995 a cordon and search operation was launched in Zalura village in Baramulla district of Jammu and Kashmir leading to the apprehension of one terrorist.

The apprehended terrorist agreed to show the house where three more terrorists were hiding. At 1430 hours, when Subedar Prem Chand Sharma alongwith his party was moving towards the target house, they came under heavy volume of fire from the terrorists who had meanwhile shifted to an adjoining house.

With total disregard to personal safety and exhibiting exemplary leadership, Subedar Sharma covered the move of troops to safety, thus saving the lives of his troops but in the process he sustained a gun shot wound in the lower abdomen. Realising that terrorists may escape, despite being grievously wounded, Subedar Sharma, displaying unparalleled bravery, stormed the house and shot dead three fully armed dreaded terrorists including Chief of Jamiat-ul-Mujahideen. He then fell unconscious, was immediately given first aid and evacuated to Base Hospital but did enroute.

Subedar Prem Chand Sharma, thus, displayed dogged determination, exemplary leadership and spirit of self sacrifice.

16. CAPTAIN HARDEEP SINGH (IC-50927), SM, 2 JAMMU AND KASHMIR RIFLES

(Effective date of the award : 13th April, 1995)

On 13 April 1995, Captain Hardeep Singh, of 2 J&K RIF was leading a patrol in the mountainous confines of the Tral Valley, in Jammu & Kashmir.

At approximately 1130 hrs as the patrol was climbing heights North of village Narasthan, three terrorists fired upon the patrol from the heights above them. Captain Hardeep Singh, quickly sized the situation and amoeuvred the patrol to cut off their escape routes. He also informed a Company of 23 PUNJAB operating to his west to do the same. The terrorists who had taken cover behind huge boulders opened a heavy volume of fire. Undeterred, Captain Hardeep Singh, rallied his men and moved forward. The two terrorists opened a heavy volume of fire which pinned down the patrol. Seeing this, Captain Hardeep Singh, alongwith his radio operator crawled within 50 metres of the terrorists from a flank. At this stage the terrorists saw him and opened fire. Captain Hardeep Singh, was hit by a bullet in the chest. Unmindful of his serious injury, the officer showing unparalleled courage and heroism charged and shot both the terrorists dead. Subsequently the Company of 23 PUNJAB summoned by Captain Hardeep Singh, was able to manoeuvre and kill the third terrorist.

Captain Hardeep Singh, thus displayed outstanding leadership, conspicuous gallantry and fighting spirit of the highest order.

17. CAPTAIN JITENDRA KUMAR (IC-51532), 3 GRENADIERS

(Effective date of the award : 29th April, 1995)

Captain Jitendra Kumar was Commanding the 'B' Company of 3 Grenadiers in village Raj Ram Di Lari, Jammu & Kashmir.

On being informed of the encounter with 10 militants of Raja Ram Di Lari at 0950 hrs on 29 April 1995, resulting in killing of only two militants due to poor visibility, the officer displaying keen tactical sense ordered the ambush party commander at Raja Ram Di Lari to maintain contact with remaining militants by fire and to channelise them towards Narki Baihk ambush site. He immediately moved towards Narki Baihk and ordered Narki Baihk ambush party channelized towards his ambush. This resulted in killing of three more militants. The remaining five militants, realising the trap, started climbing up along the nala to reach out of firing range. Captain Jitendra Kumar using ruse, deception and stealth moved up faster than the militants alongwith five other ranks and charged the militants from top to down spraying bullets, killing all five of them. They were later identified as Afghan mercenaries.

Captain Jitendra Kumar, thus, displayed courage, determination and leadership qualities of exceptionally high order.

18. GS-159668—W DRILLER VAMANAN K, BRDB (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 6th May, 1995)

Driller Vamanan K of 118 Road Construction Company of Project Beacon was working on Galhar-Sansari road in militancy affected Doda District of Jammu and Kashmir.

The road sector from Km. 46 to 54 of Galhar-Sansari road is an extremely dangerous zone where rocks keep falling without warning. Many lives of BRO personnel and casually paid labours have been lost in this stretch. However Driller Vamanan K cheerfully undertook the challenge of drilling operation in this stretch since his induction into this sector in August 1994. During November 1994, he was entrapped in the way of a rolling boulder and fell into the valley alongwith his Jack Hammer, but escaped with minor injuries. Despite this incident, he volunteered to keep working in this sector and did so with dogged determination and utter disregard to his own safety.

On 06 May 1995, Driller Vamanan K alongwith his party consisting 5 casual labourers, was on drilling operation at Km 47.9. At about 1550 hrs, on hearing the caution alarm, Driller Vamanan saw a huge boulder falling down upon the team. Though time was at a premium, he without caring for his own life started pushing labourers to safety as they were in a state of confusion and panic. But he could manage to push only three labourers to safety when the falling boulder crushed him as well as his other two associates. All the three died on the spot.

Driller Vamanan K, thus, displayed conspicuous gallantry, selfless service, dogged determination and made the supreme sacrifice in saving the lives of his colleagues.

19. WING COMMANDER AJIT SINGH SLAICH, VM (13812), FLYING (PILOT)

(Effective date of the award : 15th June, 1995).

Wing Commander Ajit Singh was posted as the Commanding Officer of a helicopter unit on 02 May 1994.

On 15 June 1995, Wg Cdr Ajit Singh was called upon to airlift three casualties from Masimpur. One of these casualties was an Army Major who had a bullet embedded in the spinal chord and his lower body was already paralysed. He needed immediate attention of a neurosurgeon. Wg Cdr Ajit Singh took off from the base at 1630 hrs under marginal weather conditions. After landing at the Masimpur helipad he was informed that due to unstable condition of the patients, the take-off had to be delayed. Realising that the patients may not survive the road journey, he decided to wait even though it had become dark and the weather had deteriorated. By the time patients arrived at about 2045 hrs, the entire area was under the grip of severe thunderstorm activity. As any further delay would have almost certainly proved fatal for the patients, Wg Cdr Ajit Singh took off from the unlit helipad in total darkness. Inspite of heavy odds and extremely trying conditions, he safely landed his helicopter at Khumbhigram at 2120 hrs accomplishing safe evacuation of the casualties.

Wing Commander Ajit Singh Slaich, thus, displayed courage, determination and dedication with utter disre'd

20. WING COMMANDER HARJINDER PAL SINGH NATT, VM (14281-K) FLYING (PILOT)

(Effective date of the award : 12 September, 1995)

Wing Commander Harjinder Pal Singh Natt is commanding the MI-17 Helicopter Unit located at 30 Wing, Air Force since 10 May 1993.

During September, States of Haryana, Punjab and Himachal Pradesh were extensicly afflicated by devastating floods. Helicopters were pressed into service to bring succour to the flood victims. On 12 Sep 1995 there was massive landslide, North of Kullu, wherein scores of civilians were trapped in the fast flowing Beas River. These people had lost all hopes of survival. On being informed about this, Wing Commander Natt went along with Wing Commander Mann (Commanding Officer Cheetah Dett) and rushed to the site in a Cheetah helicopter. Proximity of electric and telephone cables precluded the chances of rescue. Under these circumstances, Wg Cdr Natt alighted himself on a large rock and the helicopter returned to Kullu for removal of doors in order to facilitate the rescue.

As the helicopter returned, Wg Cdr Natt got into the act and he physically pulled out two survivors from the fast flowing Beas, standing on the skids of the helicopter. While doing so, Wg Cdr Natt showed phenomenal presence of mind in planning and executing this act of bravery. The situation was always dangerous but he hung on, in the presence of thousands of stranded people, who gave a standing ovation during and after the mission. Besides personal achievement, this act is in keeping with the highest traditions of the Air Force and vindicates the motto—"The Angels from the Skies".

Wing Commander Harjinder Singh, thus, displayed courage, determination and dedication with utter disregard to his personal safety.

21. WING COMMANDER RAVINDRA SINGH MANN (15434) FLYING (PILOT).

(Effective date of the award : 12th September, 1995)

Wing Commander Ravindra Singh Mann is on the posted strength of 131 FAC Flight since 17 July 1995 as the Commanding Officer.

On 06 Sep 1995 he was tasked to opearte a detachment of three helicopters from Manali to carry out rescue and relief duties for the staranded personnel of SASE which had been severely damaged due to floods. He alongwith his other pilots of the unit undertook the task in a professional manner. During the detachement period, on 12 Sep 1995 at 1330 hours, Wg Cdr Mann received a message from Deputy Commissioner. Kulu that there had been a massive landslide 4 km north of kullu and that there was a requirement to carry out an aerial recce to assess the damage to life and property. Wg Cdr Mann realised the gravity of the situation and got airborne in his cheetah helicopter with Wg Cdr Natt. On reaching the site he found that the landslide had taken place in a bowl due to the river changing its course. There were electric and telephone cables criss crossing the entire bowl. During the recce he observed two survivors in the river holding on to submerged boulders. He attempted to land the helicopter on a small island between the fast flowing river to rescue them but could not do so due to large boulders, tall trees and wires. He quickly assessed the situation and decided that the only way was to physically pull out the two stranded persons for which the helicopter door had to be removed. Wg Cdr Mann picked up Wg Cdr Natt from the island and flew towards the survivors. The helicopter was very carefully and precised hovered near the survivor and then slowly inched forward and lowered with its skid touching the water. Wg Cdr Natt stood on the skid holding the pilot's seat and pulled up the survivors into the helicopter from the fast flowing river. This was achieved in the third attempt. Another circuit was carried out and the second survivor was pulled out in a similar manner.

Wing commander Ravindra Singh Mann, thus, displayed high level of professional competence and courage of high order beyond the call of duty.

G. B. PRADHAN,
Director

The 26th January 1996

No. 17-Pres/96.—The President is pleased to approve the award of the 'Param Vishisht Seva Medal' to the undermentioned personnel for distinguished service of the most exceptional order :—

1. Lieutenant General Suresh Kumar Sharma (IC-11517), AVSM, Armoured Corps.
2. Lieutenant General Ved Prakash Malik (IC-11537), AVSM, Infantry.
3. Lieutenant General Vimal Shinghal (IC-10401), Engineers.
4. Lieutenant General Neel Rattan Khanna, (IC-10443), Engineers.
5. Lieutenant General Kulbir Suri (IC-11009), VSM, Artillery.
6. Lieutenant General Deepak Ajwani (IC-11023), VSM, Engineers.
7. Lieutenant General Kevin Louis D'Souza (IC-11507), AVSM, Mechanised Infantry.
8. Lieutenant General Parshotam Dass Bhargava (IC-11577), AVSM, Signals.
9. Lieutenant General Pran Krishan Pahwa (IC-11628), Air Defence Artillery.
10. Lieutenant General Om Prakash Kaushik (IC-11689), AVSM, VSM, Infantry (Retired).
11. Lieutenant General Mohinder Mohan Walia (IC-11830), AVSM, SM, Infantry.
12. Lieutenant General Venkatesh Madhav Patil (IC-11885), AVSM, Artillery.
13. Lieutenant General Apurba Kumar Sengupta, (IC-11942), AVSM, Armoured Corps.
14. Lieutenant General Kulwant Singh Mann, (IC-12027), Infantry.
15. Lieutenant General Ravi Inder Singh Kahlon (IC-12048), UYSM, AVSM, Grenadiers.
16. Lieutenant General Ramdas Mohan (IC-12584) AVSM, VSM, Madras.
17. Lieutenant General Narender Kumar Kapur (IC-11536), AVSM, Infantry.
18. Lieutenant General Amarjit Singh Parmar (IC-10063), Artillery.
19. Lieutenant General Harbans Lal Gulati (MR-01476), Army Medical Corps (Retired).
20. Vice Admiral Vishnu Bhagwat, AVSM, 00387-B.
21. Vice Admiral Premvir Saran Das, UYSM, VSM, 00393-T.
22. Vice Admiral Kailash Kumar Kohli, AVSM, 00407-Z.
23. Air Marshal Mohinder Kumar Anand, VM, (5498) Administration (Retired).
24. Air Marshal Sharadkumar Ramakrishna Deshpande, AVSM, VM, (5694) Flying (Pilot).
25. Air Marshal Dinanath Ramchander Nadkarni AVSM, VM, (5587) Flying (Pilot) (Retired).
26. Air Marshal Shiv Nath Rathour, AVSM, VM, (5580) Flying (Navigator) (Retired).
27. Air Marshal Machianda Chinapa Uthaya, (5627), Aeronautical Engineering (Electronics) (Retired).
28. Air Marshal Janak Kapur, VSM, (5585), Flying (Pilot).

G. B. PRADHAN,
Director

No. 18.-Pres/96.—The President is pleased to approved the award of the 'Ati Vishisht Seva Medal' to the undermentioned personnel for distingu shed service of an exceptional order :—

1. Lieutenant General Amar Nath Sinha, (IC-11870), Engineers.
2. Major General Gurdip Singh (IC-11513), SM, Dogra Regiment.
3. Major General Malvinder Singh Shergill (IC-13152), VrC, Armoured Corps.
4. Major General R. P. Rama Chandra Naidu (IC-13169), VSM, Gorkha R fles.
5. Major General Har Ranjit Singh Kalkat (IC-13193), Maratha Light Infantry.
6. Major General Avinash Chandra Sharma (IC-13260), VSM, Army Ordance Corps.
7. Major General Vijay Lall (IC-13306), Army Ordanance Corps.
8. Major General Somayandra Kalappa Kariappa (IC-13548), YSM, Artillery.
9. Major General Pankaj Shivram Joshi (IC-13720), VSM, Mechanised Infantry.
10. Major General Shivaji Shripati Patil, (IC-13799), UYSM, Para (Retired).
11. Major General Rostum Kaikhushru Nanavatty, (IC-13878), UYSM, Gorkha Rifles.
12. Major General Satish Chandra Chopra, (IC-13963), VSM, Rajputana Rifles.
13. Major General Vikram Laxman Gunjikar, (IC-14006), VSM, Maratha Light Infantry.
14. Major General Ramanand Jayaswal (MR-01515), Army Medical Corps.
15. Major General Kharb Ram Mehar (V-168), Remount Veterinary Corps.
16. Major General Kamal Nayan Misra (IC-20306), Judge Advocate General.
17. Major General Surider Pal Jain (IC-11898), Infantry (Retired).
18. Major General Shrikant Vithalrao Shrikhande, (IC-12072), Artillery (Retired).
19. Major General Naresh Vij (IC-12365), Electrical and Mechanical Engineers (Retired).
20. Major General Romesh Kumar Kaushal, (IC-12653), VSM*, Army Ordnancec Corps, (Retired).
21. Major General Krishna Ballabh Bhaldiyal (IC-13450), Electrical and Mechanical Engineers, (Retired).
22. Maj. Gen. Chepudira Jai Appachu (IC-15388), Signals.
23. Brigadier Ravinder Nath Kapur (IC-17291), 4 Gorkha Rifles.
24. Brigadier Gagan Kumar Verma (IC-21570), VSM, M-in-D**, Rajputana Riffes.
25. Brigadier David Carlton Borgonah (IC-21914), Sikh Light Infantry.
26. Brigadier Bijoy Nandan Shahi (MR-2562), VSM, Army Medical Corps.
27. Brigadier Shamsher Singh (IC-13929), Signals, (Retired).
28. Rear Admiral Subhash Chandra Anand, 00538-Y.
29. Rear Admiral Pramod Chander Bhasin, VSM. 50155-N.
30. Rear Admiral Satish Chandra Suresh Bangara, 00726-Z.
31. Commodore Krishnaswamy Ramachandran Srinivasan, 00744-R.
32. Commodore Kandathil Paul Mathew, 00779-W.
33. Commodore Rakesh Bahadur Verma, 40253-H.
34. Commodore Narhari Wasudeo Joshi, NM, 00642-H.
35. Air Marshal Kuldip Rai, (6051), Medical.
36. Air Marshal Pran Nath Bajaj (6392), Aeronautical Engineering (Mechanical).
37. Air Vice Marshal Vinod Patney, VrC, (6125). Flying (Pilot).
38. Air Vice Marshal Srinivasapuram Krishnaswamy, VM and Bar (6338), Flying (Pilot).
39. Air Vice Marshal Jayant Haribhau Gajendra Gadkar, (6602), Administration.
40. Air Commodore Rajpal Singh Garcha, VM, (8413), Flying (Pilot).
41. Air Commodore Ananta Ramakrishna Kumar Pandranqi, (8747), Flying (Pilot).
42. Air Commodore Sunil Kumar Malik, (9002), Flying (Pilot).
43. Air Commodore Gopalasamudram Mahadevan Viswanathan, VM, (9056), Flying (Pilot).
44. Air Commodore Nirmal Thusu, VM, (9033), Flying (Pilot).
45. Air Commodore Madhukar Krishan Marathe, VSM, and Bar (3728), Aeronautical Engineering (Electronics) (Retired).
46. Group Captain Paramjit Singh Bhangu, VM, (12932), Flying (Pilot).

G. B. PRADHAN,
Director

No. 19-Pres/96.—The President is pleased to approve the award of the 'Vishisht Seva Medal' to the undermentioned personnel for distinquished service of a high order :—

1. Major General Vijay Bharat Batra (IC-13531), Artillery.
2. Major General Gurbaksh Singh (IC-12550), Signals.
3. Major General Lasrado George Michael (IC-13921), Artillery.
4. Major General Onkar Singh Lohchab (IC-14531), Bihar.
5. Brigadier Subhash Chandra Marwaha (IC-16332), Electrical and Mechanical Engineers.
6. Brigadier Harish Kumar Sharma (IC-15859), Artillery.
7. Brigadier Soumendra Dev Mahanti (IC-16035), Artillery.
8. Brigadier Amarjeet Singh Bedi (IC-16233), Armoured Corps.
9. Brigadier Rana Sudhir Kumar Kapur (IC-16782), Engineers.
10. Brigadier Venugopal Sridhar (IC-16846), Gaurds (Posthumous).
11. Brigadier Ashok Kumar Singh (IC-16887), Rajput (Posthumous).
12. Brigadier Rajinder Singh (IC-16953), Artillery.
13. Brigadier Anup Singh Jamwal (IC-17206), Artiller.
14. Brigadier Rakesh Dass (IC-17267), SM, Rajputana Rifles.
15. Brigadier Balbir Singh Nanda (IC-17539), Electrical and Mechanical Engineers.
16. Brigadier Gunendra Kumar Deb (IC-19816), Signals.
17. Brigadier Jaggu Ram Bhatti (IC-20089), SM, Punjab.
18. Brigadier Mohinder Kumar Batra (IC-22511), Artillery.
19. Brigadier Shivraj Bahadur Mathur (IC-22810), Artillery.

20. Brigadier Yogendra Paul Goyal (IC-22832), Rajputana Rifles.
21. Brigadier Subhash Chandra Joshi (IC-26123), YSM, Para.
22. Brigadier Yashpal (MR-01682), Army Medical Corps.
23. Brigadier Krishna Kumar Srivastava (TC-31490), Army Postal Service.
24. Brigadier Lal Ramrakhiani (IC-16616), Engineers.
25. Brigadier Asil Singh (IC-16560), Armoured Corps.
26. Brigadier Suresh Chander Anand (DR-10141), Army Dental Corps (Retired).
27. Brig. Deepak Kapoor (IC-17622), Artillery.
28. Colonel Virender Singh Kaushal (IC-16398), Armoured Corps.
29. Colonel Rajendra Singh (IC 16779), Electrical and Mechanical Engineers.
30. Colonel Vijay Prakash Franklin (IC-17217), Artillery.
31. Colonel Autar Singh (IC-19123), Guards.
32. Colonel Narendra Talwar (IC-19879), Signals.
33. Colonel Krishna Nandan (IC-23590), Signals.
34. Colonel Ravi Sharma (IC-24302), Kumaon.
35. Colonel Om Prakash Beniwal (IC-24579), Signals.
36. Colonel Avadhesh Prakash (IC-24611), Naga.
37. Colonel Victor David Iver Devavaram (IC-24926), Madras.
38. Colonel Darshanjit Singh (IC-25052), Armoured Corps.
39. Colonel Ramaswamy Iyengar Raghunathan (IC-25357), SM, Army Ordance Corps.
40. Colonel Vasudevan Suresh Nair (IC-25912), SM, Maratha Light Infantry.
41. Colonel Vijay Dadasaheb Prabhu (IC-26700), Electrical and Mechanical Engineers.
42. Colonel Iqbal Singh (IC-26796), Army Ordance Corps.
43. Colonel Jasbir Singh (IC-27034), Dogra Regiment.
44. Colonel Abhaya Kumar Singh (IC-27052), Jammu and Kashmir Rifles.
45. Colonel Nand Kishore Singh (IC-27215), 3 Gorkha Rifles.
46. Colonel Surander Singh Tonk (IC-27236), Grenadiers.
47. Colonel Gurdip Singh Kohli (IC-28187), Army Ordnance Corps.
48. Colonel Vinod Kumar Gaur (IC-28761), Rajputana Rifles.
49. Colonel Syed Ata Hasnain (IC-30353), Garhwal Rifles.
50. Colonel Tejwant Singh Gill (IC-30727), SM, Para Regiment.
51. Colonel Rajeev Singh Jamwal (IC-33499), SM, Rajput Regiment.
52. Colonel Murlidhar Mahapatra (MR-01922), Army Medical Corps.
53. Colonel (Miss) Swaran Kaur Sandhu (NR-13903), Military Nursing Service.
54. Colonel Narula Praveen Kumar (IC-31478), Dogra.
55. Colonel Suresh Kumar Khajuria (IC-36119), 5 Gorkha Rifles.
56. Lieutenant Colonel Jacob Jacob (IC-25111), M-in-D, Intelligent Corps.
57. Lieutenant Colonel Amreshwar Pratap Singh (IC-25819), SM*, Engineers.
58. Lieutenant Colonel Rajesh Kakkar (MR-03629), Army Medical Corps.
59. Lieutenana Colonel Prakash Chandra Tripathy (MR-04237), Army Medical Corps.
60. Lieutenant Colonel (Miss) Veronica Rawson (NR-14813), Military Nursing Service.
61. Major Ravi Ramaswamy (IC-34814), Electrical and Mechanical Engineers.
62. Major Vikram Taneja (IC-34843), Armoured Corps.
63. Major Jagdeep Singh Virk (IC-40695), Armoured Corps.
64. Major Deep Chand Thakur (MR-5491), Army Medical Corps.
65. Commandant R. S. Upadhyay (IRLA-1362), SM, BSF.
66. Commodore Dhirendra Kumar Kulshrestha, (00620-H).
67. Commodore Nirmal Prashad Gupta, (40339-B).
68. Commodore Avinash Manjanath Telang, 40262-B.
69. Commodore Yedurupad Janardhan, 50229-F.
70. Commodore Nijam Mahamad Nadaph, 40305-A.
71. Commodore Nasib Singh Nain, 40313-W.
72. Captain Kanwal Nain Bhagat, 02378-B.
73. Captain Pradeep Chauhan, 01610-H.
74. Commander Mohan Kutty, 50413-Z.
75. Commander Ashish Biswas, 01569-R.
76. Surgeon Commander Niraj Anand Verma, 79025-A.
77. Commander Nalin Kant, 01849-A.
78. Lieutenant Commander (SDASW) Vinod Bihari Lal Gupta, 81279-Z.
79. Bhagwat Sharan Pandey, MCPO I(RPI), 083397-R.
80. Nishan Singh, MCPOR (SPL) I, 068626-W.
81. Air Commodore Ramvar Keki Batha, (19588), Aeronautical Engineering (Electronics).
82. Air Commodore Virender Kumar Sharma, (10031), Accounts.
83. Group Captain Praduman Singh, (9384) Aeronautical Engineering (Electronics).
84. Group Captain Arun Dattatraya Karandikar, VM, (10865) Flying (Pilot).
85. Group Captain Surya Kumar Gupta, (10983) Flying (Pilot).
86. Group Captain Prakash Vishwanath, Karapurkar, (11105) Logistics.
87. Group Captain Amrish Kumar, (11547) Aeronautical Engineering (Electronics).
88. Group Captain Colville De Souza, (11676) Administration.
89. Group Captain Ranjit Singh Tathgur, (11877) Flying (Pilot).
90. Group Captain Anil Rajeshwarrao Ambatkar, (12087) Aeronautical Engineering (Mechanical).
91. Group Captain Anurag Bhawanishankar Pandit, (12103) Aeronautical Engineering (Electronics).
92. Group Captain Balatikalandra Uthaiah Chengappa, (12112) Aeronautical Engineering (Electronics).
93. Group Captain Arun Kumar Tiwari, (12194) Flying (Pilot).
94. Group Captain Rishi Pal Singh, (12639) Aeronautical Engineering (Mechanical).
95. Group Captain Suresh Chand Mukul, VM, (12930) Flying (Pilot).
96. Group Captain Dinesh Chandra Kumaria, VM, (13366) Flying (Pilot).
97. Group Captain Anil Chopra, VM, (13368) Flying (Pilot).

98. Wing Commander Umesh Bahadur Mathur, (12311) Medical.
99. Wing Commander Om Prakash Gupta, (13017) Meteorology.
100. Wing Commander Ayyagary Venkat Subba Rao (14073) Accounts.
101. Wing Commander Roderick Osbern Joseph Assey, (14108) Flying (Pilot).
102. Wing Commander Vimal Arora, (16025) Dental.
103. Squadron Leader Rakesh Lal Kapur, (15366) (Logistics).
104. Squadron Leader Uttam Kant Choudhary, (15834), Aeronautical Engineering (Mechanical).
105. Squadron Leader Raman Kutty Plakkot, (16835) Flying (Navigator).
106. Squadron Leader Harinder Singh Kamal, (16860) Logistics.
107. 226928-L Master Warrant Officer Manindra Mohan Sarkar, Mechanical Transport/Fiter.
108. 727050-S Junior Warrant Officer Mohan Ramachandra Patil, Ground Training Instructor.
109. GO-1253-F SE (E&M) Hans Raj.
110. GO-0878-K SE(C) Gurdial Singh Parhar.
111. GO-1303-F CO I Kashmir Lal Noatay.

G. B. PRADHAN,
Director

No. 20-Pres/96.—The President is pleased to approve the award of 'Bar to Sena Medal/Army Medal' to the undermentioned officers/personnel for act of an exceptional devotion to duty or courage :—

1. Colonel Arjun Singh Negi, (IC-30011), SM. Gorkha Rifles, 21 Rashtriya Rifles.
2. Lieutenant Colonel Kamal Kumar Sharma (IC-34205), SC, SM, 5 Gorkha Rifles.
3. Major Avanindra Joshi (IC-47607), SM, Gorkha Rifles.
4. JC-132600 Subedar Bhawani Dutt Pandey, SM, 13 Assam Rifles.

G. B. PRADHAN,
Director

No. 21-Pres/96.—The President is pleased to approve the award of 'Sena Medal/Army Medal' to the undermentioned officers/personnel for act of an exceptional devotion to duty or courage :—

1. Brigadier Sharad Ramchandra Luktuke (IC-15440), VSM, Signals.
2. Colonel Yogendra Mohan Aggarwal (IC-25943), 9 Grenadiers.
3. Colonel Grewal Tejinder Pal Singh (IC-30798), 7 Dogra Regiment.
4. Colonel Kanwaljit Singh Oberoi (IC-27321), M-in-D, 26 Punjab Regiment.
5. Colonel Midha Lokesh Chander (IC-32941), 4 Grenadiers.
6. Lieutenant Colonel Prabhanjan Sangam (IC-30788), 2 Sikh Regiment.
7. Lieutenant Colonel Sarvjit Singh (IC-32055), Army Aviation Corps.
8. Major Amardeep Singh (IC-44494), 2 Sikh Regiment.
9. Major Sandeep Sharma (IC-48358), 2 Grenadiers.
10. Major Subhash Chander Singla (IC-39172), 7 Jat Regiment.
11. Major Rakesh Trivedi (IC-46163), 10 Bihar Regiment.
12. Major Joginder Singh (IC-43086), 10 Sikh Light Infantry.
13. Major Baburam Kushwah (IC-42655), Assam Regiment.
14. Major Sunil Yadava (IC-47583), 7 Rajputana Rifles.
15. Major Aries Arun Sharma (IC-44518), 2 Grenadiers.
16. Major Anoop Marwaha (IC-48837), Armoured Corps.
17. Major Mahenderjit Singh Dahiya (IC-42937), Madras Regiment (Posthumous).
18. Major Rohan Anand (IC-50125), 7 Jat Regiment.
19. Major Amarjeet Singh (IC-35919), Bihar Regiment.
20. Major Daljit Singh Goraya (IC-40367), Bihar Regiment.
21. Major Jodh Singh (IC-37946), 3 Grenadiers.
22. Major T J Davies (IC 37139), Armoured Corps.
23. Major C Sivaraman Unnithan (IC-49237), 9 Rajput Regiment.
24. Major Shinde Ramakant Rao Narayan Rao (IC-45345), Armoured Corps.
25. Major Vikrant Sastry (IC-43430), Mechanised Infantry (Posthumous).
26. Major Avinash Mohan Kakade (IC-41168), 14 Garhwal Rifles.
27. Major Rajeev Maithani (IC-34974), Intelligence Corps.
28. Major Sunil Bakshi (IC-37820), Grenadiers, (Posthumous).
29. Major Sunil Kumar Padhi (IC-40549), 22 Grenadiers.
30. Major Rajinder Verma (IC-44208), 9 Grenadiers.
31. Major Jai Krit Singh Virk (IC-45915), 14 Dogra Regiment.
32. Major Gurjit Singh Multani (IC-46138), 14 Dogra Regiment.
33. Major Munnikrishnan Maniraj (IC-47873), 27 Rajput Regiment.
34. Major Dharam Pal (IC-38399), Madras Regiment.
35. Captain Jayaraman Muthukrishnan (MR-06524), Army Medical Corps.
36. Captain Pranay Kumar (IC-50261), Engineers.
37. Captain Ranvir Singh Yadav (IC-48673), Mechanised Infantry.
38. Captain Mukul Bhandari (IC-42057), Rajput Regiment.
39. Captain Shailendra Singh Shahi (SS-35285), 15 Punjab Regiment.
40. Captain Sobha Singh (RC-418), 18 Sikh Regiment.
41. Captain Prakash Mahadeo Surve (IC-50782), 2 Sikh Regiment.
42. Captain Kaluvakolan Bhushan (IC-45685), 9 Parachute Regiment.
43. Captain Amit Chatterjee (MR-6313), Army Medical Corps.
44. Captain Vinay Shahi (JC-51808), 2 Jammu and Kashmir Rifles.
45. Captain Pradeep Singh Chhonkar (IC-51476), 7 Guards.
46. Captain Kulwant Singh (SS-34927), Artillery.
47. Captain Ajay Singh Rana (IC-48805), Army Service Corps.
48. Captain D Seshasai Murty (IC-50715), 7 Jat Regiment.
49. Lieutenant Satish Kumar Prasad (IC-53459), Electrical and Mechanical Engineers.

50. Second Lieutenant Isukapalli Raghu Venkateswarlu (IC-53082), Army Education Corps.
51. Second Lieutenant Rajesh Raman (IC-52772), Rajput Regiment.
52. Second Lieutenant Anil Yadav (IC-52600), Army Service Corps (Posthumous).
53. Second Lieutenant Atul Sharma (IC-52054), Army Service Corps.
54. Second Lieutenant S Muruganantham (IC-51588), Artillery.
55. Second Lieutenant Vidur Kumar Singh Tomar (IC-53224), 15 Kumaon Regiment.
56. Assistant Commandant Labh Singh (AR-177), 20 Assam Rifles (Posthumous).
57. JC-192424 Subedar Gurmeet Singh, 2 Sikh Regiment.
58. JC-223777 Subedar Bhav Nath Prasad, Signals.
59. JC-172580 Subedar Ganga Singh Negi, 2 Garhwal Rifles.
60. JC-188424 Subedar Paramjit Singh, 15 Punjab Regiment (Posthumous).
61. 167415 Subedar Sarwan Dan, 11 Grenadiers.
62. JC-204295 Subedar Darshan Singh, 2 Sikh Regiment.
63. JC-158976 Subedar Prem Singh, 26 Punjab Regiment.
64. JC-192714 Subedar Bir Bahadur Chand, Jammu and Kashmir Rifles.
65. JC-178971 Subedar Harnand Rai, 2 Grenadiers (Posthumous).
66. JC-196522 Subedar Kashmir Singh Jaswal, Rashtriya Rifles.
67. JC-176289 Subedar Ummed Singh Rathore, 3 Grenadiers.
68. JC-185223 Subedar Shiv Singh Negi, Garhwal Rifles.
69. JC-216468 Naib Subedar Jagir Singh, 15 Punjab Regiment.
70. JC-193811 Naib Subedar Ansuya Prasad, 2 Garhwal Rifles (Posthumous).
71. JC-196193 Naib Subedar More Shivaji Bhim Rao, Maratha Light Infantry, 2 Rashtriya Rifles.
72. JC-428069 Naib Subedar Jarnail Singh, Punjab Regiment (Posthumous).
73. JC-224546 Naib Subedar Jit Singh, 13 Sikh Light Infantry.
74. JC-208177 Naib Subedar Chintamani Joshi, Kumaon Regiment.
75. 14238111 Company Havildar Major Satish Kumar, Signals.
76. 4256385 Company Havildar Major Dhir Bahadur Singh, 10 Bihar Regiment.
77. 3971969 Company Havildar Major Gurbhajan Singh, 7 Dogra Regiment.
78. 4258717 Havildar Magu Bading, 9 Bihar Regiment.
79. 3382048 Havildar Charan Singh, 2 Sikh Regiment.
80. 4056639 Havildar Janardhan Prasad, 8 Garhwal Rifles.
81. 4257485 Havildar Baduwa Horo, 10 Bihar Regiment (Posthumous).
82. 4259833 Havildar Prabhat Kumar Sharma, 10 Bihar Regiment.
83. 2870615 Havildar Balwan Singh, 2 Rajputana Rifles.
84. 2668934 Havildar Jagdish Prasad, Grenadiers (Posthumous).
85. 2678324 Havildar Banwari Lal Gurjar, Grenadiers (Posthumous).
86. 3970734 Havildar Rattan Lal, 7 Dogra Regiment.
87. 4460989 Havildar Amrik Singh, 16 Sikh Light Infantry (Posthumous).
88. 2662781 Havildar Babu Ram, 9 Grenadiers.
89. 2675680 Havildar Aslamuddin, 4 Grenadiers.
90. 14700683 Lance Havildar T Sungshi Meren Ao, 2 Naga.
91. 14257498 Naik Kehari Singh, Signals.
92. 2477196 Naik Balbir Singh, 15 Punjab Regiment.
93. 4352439 Naik H B Joel Anal, 10 Madras Regiment.
94. 2471003 Naik Khem Singh, 26 Punjab Regiment.
95. 2479183 Naik Ashwani Kumar, Parachute Regiment (Posthumous).
96. 2477583 Naik Gopal Singh, 26 Punjab Regiment.
97. 14463777 Naik V Rathinam, Artillery.
98. 4455880 Naik Surjit Singh, Sikh Light Infantry (Posthumous).
99. 4059512 Naik Budhi Singh, 2 Garhwal Rifles (Posthumous).
100. 2672876 Naik Randhir Singh, 2 Grenadiers.
101. 9085380 Naik Abdul Quyoom, Jammu & Kashmir Ligh Infantry.
102. 2580284 Naik V Basava Raddi, 3 Madras Regiment (Posthumous).
103. 2876240 Naik Nem Pal, 9 Rajputana Rifles (Posthumous).
104. 3978550 Naik Ram Kishan, 7 Dogra Regiment.
105. 4174890 Naik Tej Chand, Kumaon Regiment.
106. 4062730 Naik Atol Singh, 5 Garhwal Rifles (Posthumous).
107. 4061291 Naik Digambar Singh, Garhwal Rifles.
108. 2673715 Naik Sant Kumar, 4 Grenadiers.
109. 2674487 Naik Virendra Singh, 3 Grenadiers.
110. 4176982 Naik Braham Datt, 19 Kumaon Regiment.
111. 2672674 Naik Balbir Singh, 9 Grenadiers.
112. 4063034 Naik Birendra Singh, 14 Garhwal Rifles (Posthumous).
113. 3980635 Lance Naik Ashok Kumar, 3 Dogra.
114. 4176787 Lance Naik Bhupal Singh, Kumaon Regiment.
115. 4179065 Lance Naik Gopal Singh, 12 Kumaon Regiment. (Posthumous).
116. 2674931 Lance Naik Avtar Singh, 4 Grenadiers.
117. 3984369 Lance Naik Ranjit Singh, Dogra Regiment.
118. 2475275 Lance Naik Vijay Kumar, 26 Punjab Regiment.
119. 13752816 Lance Naik Mohd Khalaq, Jammu and Kashmir Rifles.
120. 2678160 Lance Naik Narendra Bahadur Singh, 3 Grenadiers.
121. 4467322 Lance Naik Sulakhan Singh, 13 Sikh Light Infantry.
122. 3185103 Sepoy Jagdish Prasad Jat, 6 Jat Regiment (Posthumous).
123. 4271308 Sepoy Rajendra Kumar Soy, 4 Bihar Regiment.
124. 2991196 Sepoy Manoj Kumar Singh, 27 Rajput Regiment.
125. 3384543 Sepoy Jagir Singh, 18 Sikh Regiment.
126. 3985795 Sepoy Gopal Singh, 7 Dogra Regiment.
127. 4183886 Sepoy Mukesh Chand Yadav, Kumaon Regiment.
128. 4184184 Sepoy Mahendra Singh, Kumaon Regiment (Posthumous).
129. 4361517 Sepoy Pautan Lian, Assam Regiment (Posthumous).
130. 2983467 Sepoy Shiv Charan, 5 Rajput Regiment.
131. 2985630 Sepoy Shri Ram Gurjar, 27 Rajput Regiment (Posthumous).

132. 4183271 Sepoy Mahesh Kumar Yadav, Kumaon Regiment.
133. 4559900 Sepoy Angad Kumar, Mahar Regiment.
134. 2594604 Sepoy Ravendra Singh, Madras Regiment.
135. 4178902 Sepoy Lalit Singh Adhikari, Kumaon Regiment.
136. 2479064 Sepoy Narinder Singh, 26 Punjab Regiment.
137. 13752856 Sepoy Gulam Mohd Shah, 17 Jammu and Kashmir Rifles.
138. 4471988 Sepoy Buta Singh, 13 Sikh Light Infantry.
139. 9924148 Sepoy Tsering Yangchok, Ladakh Scouts.
140. 2484253 Sepoy Rajinder Singh, 26 Punjab Regiment.
141. 3990032 Sepoy Raj Kumar, Dogra Regiment.
142. 13752018 Rifleman Roshan Singh, Jammu and Kashmir Rifles.
143. 4067515 Rifleman Rajbar Singh, 2 Garhwal Rifles.
144. 13748518 Rifleman Joginder Kumar, Jammu and Kashmir Rifles (Posthumous).
145. 13750862 Rifleman Phula Sherpa, Jammu and Kashmir Rifles (Posthumous).
146. 2882243 Rifleman Dalbir Singh, Rajputana Rifles (Posthumous).
147. 2888108 Rifleman Shantnu Singh, Rajputana Rifles (Posthumous).
148. 5346865 Rifleman Sanjay Kumar Thakur, 4 Garhwal Rifles (Posthumous).
149. 153675 Rifleman Jagbender Singh, 15 Assam Rifles.
150. 2678390 Grenadier Birham Pal, 2 Grenadiers.
151. 2683054 Grenadier Sunil Dutt Yadav, 22 Grenadiers.
152. 2682982 Grenadier Mohd Rafik Ali, 22 Grenadiers.
153. 13689404 Guardsman Singh Ram, 11 Guard (Posthumous).
154. 14401555 Gunner Annappa Talwar, Artillery (Posthumous).
155. 15311603 Sapper N Vinayagam, Engineers (Posthumous).
156. 7239922 ALD (Army Dog Trainer) Sukh Dev Ghosh, Remount Veterinary Corps.

G. B. PRADHAN,
Director

No. 22-Pres/96.—The President is pleased to approve the award of 'Nao Sena Medal/Naval Medal' to the undermentioned officers/personnel for act of an exceptional devotion to duty or courage :—

1. Surgeon Commander Anil Ahuja, (75169-N).
2. Commander Aspi Cawsji, (02190-A).
3. Lieutenant Commander Authi Selvarajan, (02041-N).
4. Lieutenant Commander Gurinder Singh Sekhon (02611-H).
5. Lieutenant Commander Jaghir Singh Tewatia, (02702-R).
6. Lieutenant Commander Rajiv Kumar, (02707-A).
7. Lieutenant Commander Deepak Bajpai, (03157-Z).
8. Lieutenant Sheshadri Srivatsa, (03717-Y).
9. Laxmi Narain Sharma, CPO CDI, (201576-B) (Retired).
10. Pavanesh Kumar Tripathi, ME II, (177962-K) (Posthumous).

G. B. PRADHAN,
Director

No. 23-Pers/96.—The President is pleased to approve the award of 'Vayu Sena Medal/Air Force Medal' to the undermentioned officers/personnel for act of an exceptional devotion to duty or courage :—

1. Group Captain Arun Gurunandan Katre, (11852) Flying (Pilot).
2. Group Captain Satish Kumar Sofat, (12207) Flying (Pilot).
3. Group Captain Amul Kapoor, (13378) Flying (Pilot).
4. Group Captain Sashi Prakash Ojha, (13394) Flying (Pilot).
5. Group Captain Punnoli Iruppattil Muralidharan, (13579) Flying (Pilot).
6. Group Captain Atul Saikia, (13585) Flying (Pilot).
7. Group Captain Praveen Chander Chopra, (10883) Flying (Pilot).
8. Group Captain Anil Gupta, (13242) Flying Pilot.
9. Group Captain Krishna Kumar Swaminathan, (13251) Flying (Pilot).
10. Group Captain Vaidyanathan Babu, (13386) Flying (Pilot).
11. Wing Commander Tejender Pal Singh Gill, (13767) Flying (Pilot).
12. Wing Commander Vijay Kumar Bali, (13787) Flying (Pilot).
13. Wing Commander Raj Kumar Beniwal, (13789) Flying (Pilot).
14. Wing Commander Harbhajan Singh Sandhu, (15428) Flying (Pilot).
15. Wing Commander Anup Kishore Prasad, (15566) Flying (Pilot).
16. Squadron Leader Raju Ramaswamy Srinivasan (16234) Flying (Pilot).
17. Flight Lieutenant Kandarpa Venkata Surya Narasimha Murthy, (20136) Flying (Pilot).

G. B. PRADHAN,
Director

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPTT. OF AGRICULTURE & COOPN.)

New Delhi, the 14th December 1995

RESOLUTION

No. 20-4/94-CA.V.—The Government of India has decided to reconstitute the Indian Tobacco Development Council constituted vide Resolution No. 24-1/89-CA.II dated the 26th May, 1992. The reconstituted Council will be composed as follows :—

I. *CHAIRMAN*

A non-official to be nominated by Government of India.

II. *VICE CHAIRMAN*

Agriculture Commissioner,
Ministry of Agriculture,
Department of Agriculture and
Cooperation, New Delhi.

III. *MEMBERS*

A. *Members of Parliament*
Three Members of Parliament (two from Lok Sabha and one from Rajya Sabha) to be nominated by the Department of Parliamentary Affairs.

B. *Representative of State Govts.*

4 representatives of States on rotational basis—in this reconstitution representatives of the following States in their Department of Agriculture to be nominated by the respective State Governments :

	No. of representatives
(i) Andhra Pradesh	1
(ii) Bihar	1
(iii) Gujarat	1
(iv) Madhya Pradesh	1

C. *Representatives of Central Govt.*

(a) One representative of the Planning Commission.

(b) One representative of Ministry of Commerce.

(c) Director, Central Tobacco Research Institute, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

(d) Joint Commissioner, dealing with Tobacco in the Department of Agriculture & Cooperation.

(e) Chairman, National Cooperative Tobacco Growers Federation Ltd., Anand.

D. *Representatives of Growers*

Four Growers' representatives to be nominated by the respective State Govts. from the major Tobacco growing States by rotation—in this reconstitution as follows :—

	No. of representatives
(i) Andhra Pradesh	1
(ii) Bihar	1
(iii) Gujarat	1
(iv) Tamil Nadu	1

E. *Representatives of Trade*

One representatives of Trade to be recommended by the Ministry of Commerce.

F. *Representatives of Industry*

One representative of industry as recommended by the Ministry of Commerce.

G. *Others*

Representatives of workers

(i) Engaged in farm	one
(ii) Engaged in factory	one

H. *Such additional persons as may from time to time be nominated by the Government of India.*

IV. *MEMBER SECRETARY*

The Director,
Directorate of Tobacco Development,
26 Haddows Road, Madras.

V. *SPECIAL INVITEES*

As considered necessary by the Council in view of the expertise and experience of persons for helping the council in its deliberations.

2. The Council will be an advisory body and it will continue to perform the functions as indicated in para-2 of the Resolution No. 24-1/89-CA.II dated 26-5-92 referred to in para 1 above.

3. The Council will have the powers to set up Standing Committee, Technical Committee and Ad-hoc Committee to look into specific issues and to coopt members such as representatives of Agricultural Universities and other special interests as and when necessary, for specific purposes.

4. The Council will meet periodically in areas in which tobacco is grown and at important centres of trade and industry and will make recommendations to the Government of India.

5. The Council will continue to function until it is abolished by a Resolution of the Government. The term of the Chairman and other non-official Members of the Council would be three years from the date they are nominated on the Council unless this period is curtailed or extended by a specific order of the Government of India.

6. Those members of the Council who are nominated from among Members of the Parliament will cease to be the Members of the Council as soon as they cease to be Members of Parliament.

7. Members of Parliament serving on Govt. bodies like Councils etc. are entitled to get TA/DA for attending the meetings of those bodies in accordance with the provisions of the Salary, Allowances and Pension of MPs Act, 1954 as amended from time to time and rules made thereunder.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories and Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

VEENA UPADHYAYA,
Joint Secy.

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1996

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD,
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1996